वैशाख शुक्ल पक्ष-14, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 336 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
22 मई 2024 बुधवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

गर्मी से सारे शिकवे धूप में झुलसे.. अब पांच दिन का रेड अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल,दोपहर मेट्रो

कुछ दिन पहले तक गर्मी से जो शिकवे किये जा रहे थे, वे अब काफूर हो गये हैं। लोग कह रहे थे कि 'इस बार उतनी गर्मी नहीं पड़ रही,जितनी पड़ना चाहिये..।' मगर बीते तीन चार दिन में ऐसी गर्मी पड़ रही है कि लोगों की हालत खराब है। आलम यह है कि रेत पर पापड़ सेके जा रहे हैं और लोग लू से बचने के लिये छायादार जगह की तलाश में भागदौड कर रहे हैं। मप्र में भी पारा 45 छू रहा है। भोपाल ने कल सबसे गर्म दिन देखा तो आज सुबह ही पारा साढे सात के आसपास 34 पर चढा हुआ मिला। रात भी 30-32 के आसपास तापमान बेचैन कर रही है। मप्र ही नहीं बल्कि भारत के अधिकतर हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में आ चुके हैं। उत्तर भारत के मैदानी इलाके बीते पांच दिनों से भयंकर लू की चपेट में हैं।

बीकानेर में बीएसएफ जवान ने सेके पापड

बीकानेर यानि राजस्थान में किस कदर गर्मी है, इसका अंदाजा आप इसी से लग जाता है कि बीएसएफ के जवानों ने रेत पर पापड़ सेंक लिये। हालंकि इस चिलचिलाती गर्मी में जवाब सीमा की चौकसी में मुस्तैद हैं। बीकानेर के खाजूवाला से लगती पाक सीमा का फोटो वायरल है, बताया जा रहा है कि राज्य का सबसे गर्म शहर बीकानेर है। भीषण गर्मी में भी देश की रक्षा के लिए जवान रेतीले रेगिस्तान में डटे हैं। इसी दौरान जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके।

मप्र समेत छह राज्यों को मौसम विभाग ने चेताया: अब मौसम विभाग ने कहा है कि आने वाले दिनों में भी गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया है। रेड अलर्ट जिन राज्यों के लिए जारी किया गया है, उनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश का नाम शामिल है। गौरतलब है कि हरियाणा के सिरसा में कल मंगलवार कल अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि देश में सबसे ज्यादा है।

बिजली की खपत-किल्लत बढ़ी: भीषण गर्मी से तपते सभी राज्यों में बिजली की खपत में जोरदार उछाल आ गया है। पंखे,कूलर और ऐसी आदि पूरी रफ्तार पर हैं और बिजली का मीटर घूम रहा है। बताया जाता है कि कल दिल्ली में ही रिकॉर्ड 7,717 मेगावॉट बिजली की मांग रही और आने वाले दिनों में इसके 8200 मेगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। उधर दिल्ली में 25 मई को छठे चरण का मतदान भी होना है। मप्र में भी बिजली की मांग के मुताबिक उपलब्धता के लिये बिजली कंपनी पसीना बहा रही हैं।

मप्र को चार दिन राहत नहीं : मध्यप्रदेश में गर्मी झुलसा रही है। अभी जिलों में दिन का पारा 45 डिग्री तो रात का पारा 30 डिग्री के पार है। रतलाम में 45.6 डिग्री का पारा पहुंचा है तो खजुराहो भी तप रहा है। भोपाल में चालीस पार तो कई दिन से चल रहा है, कल यह 43.3 पर सबसे गर्म दर्ज हुआ। आज भी यही आसार हैं। दतिया में लगातार एक सप्ताह से यहां 45 डिग्री से ज्यादा तापमान दर्ज किया जा रहा है। इस क्षेत्र में सर्वाधिक तापमान का रिकॉर्ड 48.3 डिग्री सेल्सियस के साथ ग्वालियर के नाम दर्ज है, जो कि 30 मई 1947 को दर्ज किया गया था। ग्वालियर में भी इस समय 45 डिग्री के आसपास तापमान दर्ज किया जा रहा है। ग्वालियर चंबल भी जमकर तप रहे हैं।

पुणे पोर्श कांडः अब परिवार का छोटा राजन से निकला कनेक्शन

पुणे, एजेंसी।

महाराष्ट्र के पुणे में पोर्श कार एक्सीडेंट मामले में रिएल स्टेट कारोबारी अग्रवाल परिवार चर्चा में है। अब नया चौंकाने वाला खुलासे में सामने आय है कि परिवार का अंडरवर्ल्ड कनेक्शन भी है। आरोपी नाबालिग के दादा सुरेंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने भाई से संपत्ति विवाद में अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की मदद ली थी। राजन के गुर्गे ने गोलीबारी भी की थी। इस मामले में हत्या की कोशिश के प्रकरण की जांच के बाद केस कोर्ट में विचाराधीन है। ज्ञात हो कि पुणे में 17 साल के लड़के ने तीन दिन पहले शराब के नशे में अपनी पोर्शे कार से बाइक सवार दो इंजीनियरों को रौंद दिया था। हादसे में दोनों (लड़का-लड़की) की मौत हो गई थी. मरने वालों ने नाम अनीश अवधिया (24) और अश्विनी कोष्टा (24) हैं। दोनों मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और पुणे में काम करते थे। वहीं मामले में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने कुछ शर्तों के साथ आरोपी नाबालिग को रिहा कर दिया। बाद में पुलिस ने आरोपी नाबालिग के पिता विशाल अग्रवाल को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया है।

पेटीएम को जबर्दस्त घाटा, बाजार में शेयर भी गिरे

नई दिल्ली , एजेंसी।

ऑनलाइन सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी पेटीएम ने अपने चौथे तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी को बीती तिमाही में जोरदार घाटा हुआ है और उसकी आय भी बुरी तरह से गिरी है। कंपनी ने नतीजों का ऐलान करते हुए बताया कि फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 550 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 160 करोड़ रुपये के आस-पास था। इस खराब रिजल्ट का असर पेटीएम शेयर पर भी दिखाई दिया और शेयर बाजार खुलते ही ये बिखर गए। वहीं आरबीआई बैन का असर कंपनी के नतीजों पर साफ दिखाई दिया है।

पिछले बार भाजपा रही थी दबंग, कांग्रेस थी खाली हाथ

छठवें दौर के लिए जोर, इसी से मिल सकती है निर्णायक लीड़

नई दिल्ली/भोपाल,दोपहर मेट्रो,एजेंसी

लोकसभा के छठवे चरण के मतदान की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। 25 मई को मतदान के पहले भाजपा ने दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों समेत उप्र व बिहार में सारी ताकत झोंकी जा रही है। इस चरण में वे सीटें शामिल हैं जहां एक भी सीट पर कांग्रेस काबिज नहीं है। यह दोनों मुख्य पार्टियों के अलावा क्षेत्रीय दलों के दबदबे को भी साबित करेगा। अभी यहां भाजपा के अधिपत्य वाली सीटें हैं। इस चरण में जो बढ़त बनाएगा वह दल दबंग बन सकता है। पीएम मोदी दिल्ली के द्वारिका में सभा कर रहे हैं। उधर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी भले ही मिलकर चुनाव लड़ रहे हो, लेकिन दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल और केजरीवाल एक मंच पर नजर नहीं आएंगे। वहीं प्रियंका वाड्रा ने भी दिल्ली में चुनाव प्रचार से इनकार कर दिया है। माना जा रहा है कि केजरीवाल के सरकारी निवास पर हुआ स्वाति मालीवाल मामला भी इसकी एक वजह है। गठबंधन की तहत यहां आम आदमी पार्टी 4, तो कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जिस नई दिल्ली सीट पर गांधी परिवार मतदाता है, वहां आम आदमी पार्टी चुनाव मैदान में है। हालांकि कुछ समय बाद होने वाले विस चुनाव में फिर दोनों दलो आमने सामने होंगे। इस गठबंधन से दोनों दलों के कार्यकर्ता भी अचंभित हैं क्योंकि जिन चार लोकसभा क्षेत्रों के 40 विधानसभा क्षेत्रों में आप उम्मीदवार के लिए वोट मांग रही है, महज छह सात माह बाद उसी के खिलाफ और अपने लिए वोट मांगने होंगे।

खरगे बोले- रणनीति के तहत कम सीटों पर लडे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के कम सीटों पर चुनाव लड़ने के फैसले पर अब कहा है कि इंडिया ब्लॉक को एकजुट रखने और भाजपा को हराने की रणनीति के तहत कांग्रेस ने जानबूझकर इस लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर चुनाव लड़ा है। यह कदम पार्टी के कम आत्मविश्वास को नहीं दिखाता है। यह समझौता एकजुट विपक्ष की जीत सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। इसलिए उन दलों को जगह दी गई, जिनकी विभिन्न हिस्सों में ताकत है। उप्र में छठे चरण की 14 सीटों पर 162 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें पूर्व मंत्री मेनका गांधी, कृपाशंकर सिंह, जगदंबिका पाल, दिनेश लाल यादव निरहुआ, धर्मेंद्र यादव, भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी, लालजी वर्मा जैसे नेताओं के भाग्य का फैसला होना है। 2019 के चुनाव में इस चरण की नौ सीटों पर भाजपा, चार पर बसपा और एक पर सपा जीती थी। छठा चरण ऐसा है, जहां कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं है कांग्रेस को अपना खाता खोलने ही नहीं अगर सत्ता में वापसी करना है तो बीजेपी के दुर्ग को भेदे बिना संभव नहीं है. पीएम मोदी को सत्ता की हैट्रिक लगाना है तो अपना दबदबा बनाए रखना होगा. इसके अलावा क्षेत्रीय दलों की भी अग्निपरीक्षा इसी चरण में होनी है. ऐसे में देखना है छठे चरण में किसका पलड़ा भारी रहता है।

छठे चरण में कहां-कहां चुनाव

2024 के लोकसभा चुनाव में छठे चरण में जिन 8 राज्यों की सीटों पर चुनाव है, उसमें राजधानी दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक की सीट शामिल है. उत्तर प्रदेश की 14, बिहार की 8, हरियाणा की 10, दिल्ली की 7, पश्चिम बंगाल की 8, झारखंड की चार, ओडिशा की 6 और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर चुनाव है. जम्मू कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में चुनाव होना था, लेकिन अब छठे चरण में वोटिंग है. इस तरह से छठे चरण में एक संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 15 है।

यादव उप्र के चुनावी दौरे पर निकले

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज फिर उप्र के दौरे पर हैं। वे आज तीन लोकसभा क्षेत्र महाराजगंज,कुशीनगर व जौनपुर में भाजपा उम्मीदवारों के लिये सभा करने निकले हैं। यहां से शाम को वाराणसी पहुंचकर वे विश्वनाथ धाम में पूजा अर्चना करेंगे। ज्ञात हो कि सीएम यादव व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान मप्र का चुनाव निपटते ही बाहरी राज्यों के चुनावी दौरे पर हैं।

भोजपुरी सुपरस्टार को भाजपा ने पार्टी से निकाला

नई दिल्ली एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद जयंत सिन्हा को नोटिस के बाद अब भाजपा ने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को पार्टी से निकाल दिया है। वह काराकाट लोकसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। पवन पर अनुशासनहीनता और दल विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए यह कार्रवाई की गई है। पार्टी ने उनका यह कार्य दल विरोधी माना है। ज्ञात हो कि जयंत सिन्हा पर हजारीबाग में भाजपा उम्मीदवार के लिये काम न करने और मतदान भी नहीं करने पर दो दिन में जवाब मांगा गया है।

सोरेन को फिर झटका, सुप्रीम कोर्ट का जमानत से इंकार

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अब सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। अदालत ने सोरेन को जमानत देने से मना कर दिया है। सोरेन ने याचिका दाखिल कर लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए जमानत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। सोरेन जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद हैं। इससे पहले हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से भी झटका लग चुका है। ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने और अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कल भी करीब दो घंटे तक दोनों पक्षों की ओर से जोरदार बहस के बाद जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन बेंच ने बुधवार को भी सुनवाई जारी रखने का फैसला किया था।

मेट्रो एंकर एक जैसे मामले में अलग-अलग सजा पर नाराज सुप्रीम कोर्ट

कोई लॉटरी नहीं कि जज साहब निकालें...!

नई दिल्ली, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आरोपित को दोषी करार दिए जाने के बाद सजा दिया जाना लॉटरी की तरह नहीं होना चाहिए। दोषी को सजा दिए जाने के मामले में अभी व्यापक विषमताएं हैं और यह पूरी तरह से जज पर निर्भर है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सिफारिश की है कि वह सजा देने के मामले में एक समग्र नीति तैयार करे। इसके लिए छह महीने में रिपोर्ट पेश हो। कोर्ट ने कहा कि कनाडा, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ब्रिटेन में समग्र नीति तैयार है। इसके लिए लॉ कमिशन ने भी 2003 में रिपोर्ट पेश की थी। अगर सजा को लेकर गाइडलाइंस बनती हैं तो निश्चित तौर पर इसका क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में काफी फायदा होगा। इस फैसले का दूरगामी असर देखने को मिल सकता है।

दरअसल, बिहार में पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ था। ट्रायल कोर्ट ने एक ही दिन में सुनवाई पूरी कर दी। आरोप है कि आरोपित को बचाव का मौका नहीं मिला और दो दिनों बाद मामले में फांसी की सजा दी गई। मामला हाईकोर्ट के सामने आया। कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग प्रावधान का पालन नहीं हुआ। ट्रायल कोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया गया और फिर से ट्रायल का आदेश हुआ।

पहल का दूरगामी असर

किसी भी आरोपित को जब दोषी करार दिया जाता है तो अदालत सजा पर बहस सुनती है। इस दौरान वह तमाम तथ्यों को देखती है। उसी आधार पर न्यूनतम और अधिकतम सजा दी जाती है। इसीलिये कोर्ट ने कहा कि कनाडा, न्यूजीलैंड, इस्राइल, ब्रिटेन में समग्र नीति तैयार है। अब इस फैसले का दूरगामी असर देखने को मिल सकता है।

इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपील खारिज कर दी और निर्देश दिया कि ट्रायल कोर्ट पॉक्सो के तहत ट्रायल पूरा करे। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भाटी की बेंच ने कहा कि जज कभी भी दायरे से बाहर नहीं होना चाहिए। अनुच्छेद-14 और 21 के तहत यह बेहद अहम अधिकार है और यह सबको मिला हुआ है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सजा पर बहस के दौरान धारा-360 के तहत कोर्ट का दायित्व होता है कि वह तमाम तथ्यों पर विचार करे। इस दौरान आरोपित का व्यवहार आदि भी देखा जाता है।

नाइजीरिया में 40 ग्रामीणों को गोलियों से भूना

दुगुरी, एजेंसी।

उत्तर मध्य नाइजीरिया में हथियारबंद आतंकियों ने दूरदराज के गांवों पर हमला कर 40 ग्रामीणों का कत्ल कर दिया है। खबरों के अनुसार जुराक में बंदूकधारियों ने ताबड़तोड़ हमले किए और 40 ग्रामीणों को भून डाला व कई घरों में आग लगा दी। यह घटना नाइजीरिया के पठारी राज्य की है।यहां चरवाहों और किसानों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है और इस तरह की झड़प यहां आम बात है। 40 ग्रामीणों की हत्या की जिम्मेदारी अभी तक किसी समूह ने नहीं ली है। यहां खानाबदोश चरवाहों और ग्रामीण किसानों के बीच पानी और जमीन पर नियंत्रण की लड़ाई विवाद का मुख्य कारण है और अभी तक सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। जुराक गांव में हमला करने वाले हथियारबंद लोगों को यहां डाकू कहा जाता है। पठार राज्य के पुलिस प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने इस पूरे घटनाक्रम पर जानकारी देते हुए कहा कि इस झड़प में सुरक्षा एजेंटों ने 7 हमलावरों को मार गिराया, जबकि भागते हुए गिरोह के सदस्यों ने 9 लोगों की हत्या कर दी और कई घरों में आग लगा दी।

स्मार्ट सिटी का हाल बेहाल

यह नजारा है टीटी नगर स्मार्ट सिटी का जहां कुत्तों तथा आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहा है। ऐसे में जिम्मेदारों की गहरी नींद शहरवासियों को खल रही है। अगर समय रहते जिम्मेदार जाग जाएं तो न सिर्फ इनका आतंक कम होगा, बल्कि इनकी संख्या में कमी होने लगेगी।

रोजाना 300 कोच ही मशीनों से साफ कर पा रहा रेलवे

मशीन से कोचों की बाहरी धुलाई की ओर बढ़ रहा रेलवे, लेकिन काम धीमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऑटोमेटिक वॉशिंग प्लांट का कल्चर अपना कर रेलवे ने ट्रेनों की धुलाई में लगने वाले पानी की बचत करने पर काम तो शुरू किया है लेकिन इसकी गति धीमी है। पश्चिम मध्य रेलवे में रोजाना करीब 300 कोच की बाहरी धुलाई ही मशीनों से हो पा रही है। बाकी कोचों को मैनुअली साफ किया जा रहा है, जिसमें पानी की अधिक जरुरत पड़ती है। यदि इन्हीं कोचों को मशीनों के जरिया धोया जाए तो पानी व समय दोनों की बचत होती है।

असल में पश्चिम मध्य रेल पर जबलपुर, रानी कमलापति एवं कोटा के स्टेशनों के कोचिंग डिपो में प्राथमिक रखरखाव के दौरान कोचों की बाहरी धुलाई के लिए ÷ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट÷ स्थापित किए है। ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट से जबलपुर में 186 कोचों, रानी कमलापति में 50 कोचों एवं कोटा में 97 कोचों सहित पमरे के तीनों कोचिंग डिपो में औसतन प्रतिदिन 333 कोचों की बाहरी धुलाई की जा रही है। इन संयंत्रों में पानी की औसत खपत लगभग 65 लीटर/कोच, बिजली की खपत लगभग 1.33 यूनिट/कोच और रासायनिक खपत 150 मिली/कोच है।

ये होते हैं फायदें

- इन संयंत्रों में पानी बचाने की क्षमता लगभग 1,00,000 किलोलीटर प्रति वर्ष है।
- स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट को मैन्युअल धुलाई की तुलना में 66 प्रतिशत कम मानव शक्ति की आवश्यकता होती है
- धुलाई के समय में कमी - मैनुअल कोच धुलाई में 3 से 4 घंटे लगते हैं जबकि ऑटो मैटिक कोच वॉशिंग प्लांट में केवल 6-15 मिनट लगते हैं।
- कम समय के भीतर प्रभावी ढंग से और कुशलता से कोचों को धोने की क्षमता को स्वचालित करता है बल्कि यह पानी की बचत करके पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है।
- यह ऑटोमेटिक प्लांट शौचालय के नीचे कोच/बोगी के क्षेत्र को साफ करने में सक्षम है।
- पर्यावरण के अनुकूल (कम पानी, कम ऊर्जा और कम साबुन)।
- कोचों की धुलाई के लिए उपयोग किए जाने वाले पानी को 'एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट' के माध्यम से ट्रीट किया जा सकता है जिसे रिसाइकिल और पुन÷उपयोग किया जाता है। इससे जल संरक्षण में मदद मिलती है।

जेपी में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर: अठारह सौ से अधिक जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ओरल कैंसर स्क्रीनिंग हेतु विशेष शिविर में ऑटोफ्लोरेंस आधारित उपकरण द्वारा जेपी अस्पताल में 1832 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिनमें से 361 लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस विशेष शिविर की अवधि 15 दिनों के लिए बढ़ाई गई है। जिला अस्पताल के ब्लॉक ए में एनसीडी कक्ष में यह जांच निशुल्क की जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि ओरल स्कैन जांच के माध्यम से ओरल कैंसर को शुरुआती अवस्था में ही डायग्नोसिस किया जा सकता है, जिससे देरी से डायग्नोस होने के कारण होने वाली विरूपता व अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है। स्क्रीनिंग दंत रोग विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन की जा रही है। तंबाखू उत्पादों जैसे गुटखा, खैनी, जर्दा , बीड़ी, सिगरेट का उपयोग करने वालों में ओरल कैंसर होने की आशंका अन्य लोगों से बहुत अधिक होती है। इसलिए इन लक्षणों वाले लोगों को आवश्यक रूप से स्क्रीनिंग करवाते रहना चाहिए ।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि शिविर में जिन लोगों में ओरल कैंसर के प्रारंभिक लक्षण पाए गए हैं उनका फॉलोअप किया जा रहा है। । असंचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत कैंसर स्क्रीनिंग एवं उपचार की सुविधा निशुल्क है।

अगले 15 दिनों तक होगी निशुल्क जांच

लक्षण: मुंह में सफेद अथवा लाल चकत्ता या घाव होना, मुंह की किसी जगह की त्वचा का कड़ा होना, चबाने, निगलने या बोलने में कठिनाई होना, मुंह खोलने में कठिनाई होना, आवाज में परिवर्तन होना आदि ओरल कैंसर के लक्षण हो सकते हैं।

वार्ड में 99 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली परिधि का सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भोले के दरबार ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में 99.20 फीसदी अंक लाने वाली संतनगर की परिधि तारानी का सम्मान किया। कथा वाचक मुकेशजी ने मां सरस्वती की मूर्ति, सम्मान-पत्र और शॉल ओढ़ कर सम्मानित किया। मुकेशजी महाराज ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में परिधि ने संतनगर और सिंधी समाज का गौरव बढ़ाया है। यह सम्मान सफलता के साथ आगे और बेहतर करने के लिए प्रात्सोहन देने वाला है। राष्ट्रीय सिंधी मंच के जिलाध्यक्ष हीरो हिन्दू, संत नरेश पारदासानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी, संस्कार स्कूल के बसंत चेलानी, झूलेलाल मंदिर समिति के राजकुमार वाधवानी व अन्य विशिष्ठजनों ने परिधि की उसकी सफलता की बधाई देते हुए कहा, यह एक पड़ाव था, जिसे परिधि ने अपनी मेहनत से सफलता के साथ पार किया। आने वाले शिक्षा के पड़ाव में भी इसी तरह के परिणाम उसके साथ जुड़ते जाएंगे। परिधि ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार के साथ और प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन उसे हमेशा लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करता रहा। परिधि ने कहा 12वीं की परीक्षा में भी यह परिणाम लाना अभी मेरा लक्ष्य है।

बैरागढ़ सिविल अस्पताल में नशे में धुत डॉक्टर कर रहा था ड्यूटी

आरोपी का मेडिकल कराने पहुंची पुलिस से की अभद्रता

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिविल अस्पताल बैरागढ़ में डॉक्टर साहब नशे में थे। पुलिस के साथ अभद्रता की, अधीक्षक ने कक्ष में बुलाया तो कहा- नशे में हूं तो एमएनसी करा लीजिए। पुलिस अस्पताल में एक आरोपी का मेडिकल कराने पहुंची थी। डॉक्टर के पुलिस उलझने की खबर टीआई को हुई तो वह पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने उनकी भी नहीं सुनी। अधीक्षक ने कक्ष में बुलाया तो उनसे भी बहस की। बताया जा रहा है कि डॉ प्रवीण ठाकुर मंगलवार को इमरजेंसी ड्यूटी पर थे, पुलिस थाना बैरागढ़ के अपराध क्रमांक 285/2024 धारा 363 भादवि इजाफा 366(A), 376 भादवि 3/5 पॉक्सो एक्ट के आरोपी का मेडिकल एवं डीएनए परीक्षण के लिए पहुंची थी। डॉ ठाकुर ने पुलिस वालों से बहस की। पुलिस सुबह 9.30 बजे आरोपी को लेकर अस्पताल आई थी, जब से 12.10 बजे तक मेडिकल नहीं हुआ तो थाना प्रभारी कवलजीत सिंह रंधावा अस्पताल पहुंचे। टीआई ने डॉक्टर को समझाने का प्रयास किया, लेकिन डॉक्टर ने टीआई से विवाद किया।

डॉक्टर ने अभद्रता की

थाना प्रभारी कंवल जीत सिंह रंधावा ने बताया कि पुलिस आरोपी का मेडिकल कराने पहुंची थी, डॉक्टर ने पुलिस को रोक रखा। मैंने अस्पताल जाकर देखा तो डॉक्टर नशे की हालत में था। डॉ प्रवीण ठाकुर ने अभद्र भाषा का भी उपयोग किया।

अधीक्षक से बहस की

सिविल अस्पताके अधीक्षक डॉक्टर जेके जैन ने डॉ प्रवीण ठाकुर को अपने कक्ष में बुलाया तो डॉक्टर ठाकुर ने उनसे भी बहस की। कहा वह नशे में है तो एमएनसी कराएं। डॉक्टर और अधीक्षक के बीच बहस का वीडिया वायरल हो रहा है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ जेके जैन के अनुसार शराब पीकर ड्यूटी पर पहुंचने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है।

मेट्रो एंकर

सिंधी लोक कलाकारों, शिल्पियों को प्रोत्साहित करें: कोडवानी

सिंधी साहित्य सभा के राष्ट्रीय अवार्ड समारोह में हस्तियां का हुआ सम्मान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारत सिंधी बोली साहित्य सभा,नई दिल्ली का वार्षिक समारोह इंदौर में आयोजित किया गया, जिसमें साहित्य, चित्रकला मूर्ति शिल्प, संगीत, शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली सिंधी भाषी विभूतियों को सम्मानित किया गया। सांसद शंकर लालवानी और क्रिकेटर नरेंद्र हिरवानी सहित अन्य अतिथियों ने सिंधी हस्तियों को सम्मानित किया।

सांसद लालवानी व अन्रू अतिथियों ने कहा कि राष्ट्रभाषा के साथ ही प्रत्येक नागरिक द्वारा मातृभाषा का सम्मान आवश्यक है। किशोर कोडवानी ने स्वागत भाषण में कहा कि आज मंचीय कार्यक्रमों से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि सिंधी बहुल नगरों और बस्तियों में लुप्त हो रही पारंपरिक सिंधी वस्त्र कसीदाकारी हुरमुचो,अन्य तरह के हस्तशिल्प से जुड़े शिल्पियों, दुर्लभ रागों का गायन और वादन करने वाले गायकों, संगीतकारों , लोक कलाकारों को प्रोत्साहित किया जाए।

कार्यक्रम में सिंधी लोक कथा गायन शैली ÷भगत÷ के आर्टिस्ट लवि कमल भगत ,अजमेर की प्रस्तुति के साथ ही सिंधी भाषा में हास्य नाटक मोबाइल की मार का मंचन इंदौर के नमोश तलरेजा और विनीता मोटलानी की ड्रामा टीम ने किया। दिल्ली से आई काव्य और प्रेरणा नावानी ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अशोक मनवाणी ने किया।

पुस्तकों का विमोचन

समारोह में तारा लालवानी अमर गोपलानी, इंदौर भोजराज खेमानी ÷क्रांति÷, मुंबई डॉ जेठो लालवानी ,अहमदाबाद की पुस्तकों का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक किशोर कोडवानी ने इंदौर आए कलाकार परमानंद प्यासी व सभी आंगतुकों का आभार व्यक्त किया।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में सिंधी साहित्य सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंभू जयसिंघानी एजुकेशनल चेयरमैन डॉ जेठो लालवानी, यूथ चेयरमैन अशोक मनवाणी, श्री धीरज नावानी, कैलाश बालानी उपाध्यक्ष नई दिल्ली गुजरात स्टेट सेक्रेटरी ऋषु भाटिया, सेक्रेटरी ,सभा के राष्ट्रीय सचिव नई दिल्ली हरीश लालवानी भी उपस्थित थे।

इन्हे दिए गए अवार्ड

साहित्य अवार्ड: प्रो अर्जुन चावला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश), **भाषा संवर्धन अवार्ड** रश्मि रामानी इंदौर, मूर्ति कला और चित्रकला अवार्ड महेंद्र कोडवानी, इंदौर, सिंधी सोशल **मीडिया अवार्ड** अशोक छाबड़िया, भोपाल, **नृत्य कला अवार्ड:**प्रेरणा और काव्या नावानी, नई दिल्ली , **फनकार अवार्ड** लवि कमल भगत, अजमेर (राजस्थान), **अदीब अवार्ड** : फिल्म और नाटक लेखक मुरलीधर बलवानी ,भोपाल

चीतों की राह में आड़े आ रहे तेंदुए

गांधी सागर अभयारण्य का मामला, यहां बसाए जाने है चीते लेकिन तेंदुए से घबराए विदेशी विशेषज्ञ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कूनो के बाद यदि भारत में कहीं और चीतों को बसाया जाना है तो वह जगह है गांधी सागर अभयारण्य। यह मप्र का प्रसिद्ध अभयारण्य है, जो गांधी सागर बांध से घिरा हुआ है। यहीं पर ठंड के सीजन में दक्षिण अफ्रीका से चीते लाए जाने हैं। तैयारियां अंतिम दौर में है, चिंता है तो केवल उन तेंदुओं की जो राह में आड़े आ रहे हैं।

इनकी संख्या एक, दो या चार नहीं है बल्कि ये 25 से अधिक है, जो चीतों के लिए तैयार घेरे के अंदर घूम रहे हैं। इनकी मौजूदगी से जुड़े साक्ष्य देखकर चीता देने वाला देश अफ्रीका के विशेषज्ञों के भी पसीने छूट गए। इन्होंने दो टूक सुझाव दिया कि चीते तभी देंगे, जब तेंदुए को बाहर निकल दोगे। अब मप्र का वन महकमा, इस उधेड़–बून में लगा है कि किस तरह तेंदुओं को बाहर खदेड़ा जाए।

दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञों के दौरे को 15 दिन से अधिक का समय हो चुका है। तभी इन्होंने तेंदुए को बाहर करने का सुझाव दिया था, अब तक वन विभाग एक भी तेंदुए को बाहर नहीं कर पाया है। विशेषज्ञों को गांधी सागर के भ्रमण औ साक्ष्यों के अवलोकन में तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी मिली। गांधी सागर अभयारण्य के करीब 64 वर्ग किमी वन क्षेत्र को चीतों के लिए तैयार किया है। इसमें करीब 26 किलोमीटर लंबी सोलर पॉवर तार फेंसिंग की है। इसका बाकी क्षेत्र गांधी सागर बांध के बैक वाटर से घिरा है। अंदर बाड़े बनाए है। अधिकारियों के मुताबिक चीतो की निगरानी के लिए वॉच टॉवर बनाए हैं। क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया है। वाइल्डलाइफ विशेषज्ञ इस क्षेत्र में घास के मैदान तैयार करवा रहे हैं। अधिकारियों की माने तो तेंदुओं को हाथियों की मदद से बाहर किया जाएगा। यदि फिर भी तेंदुए बाहर नहीं निकले तो उन्हें ट्रेंकुलाइज कर बाहर छोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि कूनो नेशनल पार्क में 20 वयस्क चीते लाए थे, यह शिफ्टिंग नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका से दो चरणों में की थी। अब मप्र के गांधी सागर अभयारण्य में दक्षिण अफ्रीका से चीतों को शिफ्ट किया जाना है, इसके लिए दो बार दक्षिण अफ्रीकी विशेषज्ञ अभयारण्य का दौरा कर चुके हैं। बारिश के बाद ठंड में शिफ्टिंग होनी है।

अब शिवराज बोले- कृष्ण की तरह मोदी, उन्हें भगवान ने भेजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बीती रात दिल्ली की दो लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया। उन्होंने दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधुड़ी, उत्तर-पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी योगेन्द्र चंदोलिया के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया व भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों को उद उध्दत करते हुए कहा कि, जब-जब धर्म की हानि होगी, अधर्म बढ़ेगा पाप, अन्याय, अत्याचार, अनाचार बढ़ेगा तब-तब धर्म की रक्षा के लिए अधर्म के नाश के लिए सज्जनों के उद्धार के लिए और दुष्टों के संहार के लिए मैं बार-बार इस धरती पर आऊँगा। चौहान ने कहा कि आज मैं भाजपा के कार्यकर्ता के नाते नहीं बल्कि भारत के नागरिक के नाते कहता हूं धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए सज्जनों के उद्धार और दुष्टों के संहार के लिए नरेंद्र मोदी को भगवान ने ही यहाँ भेजा है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि सोनिया गांधी कह रही हैं कि, मैंने राहुल को आपको सौंप दिया है, लेकिन हकीकत यह है कि राहुल गांधी को सौंपा नहीं थोपा गया है।

सीनियर्स के बाद अब युवा कांग्रेस का मंथन

दो दिन पहले भोपाल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का संगठन के भावी कार्यक्रमों को लेकर मंथन के बाद अब युवा कांग्रेस का मंथन आज शुरू हुआ है। हाल में डॉ. विक्रांत भूरिया के पद छोड़ने के बाद प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने मितेंद्र दर्शन सिंह यादव संगठन के पदाधिकारियों के साथ पहली बड़ी बैठक कर रहे हैं। यह बैठक आज और कल चलेगी। इसके बाद संगठन में नया बदलाव भी किया जा सकता है, क्योंकि मौजूदा पदाधिकारियों के कामकाज की समीक्षा भी बैठक के एजेंडे में है। इसमें प्रदेश भर के पदाधिकारियों, जिला एवं विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष शामिल हैं। युंका अध्यक्ष पदाधिकारियों से एक-एक कर संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि पदाधिकारियों से संवाद कर यह जानने की कोशिश करेंगे कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ कैसे बनाया जाए। कोशिश है कि युवा कांग्रेस देश में अपनी एक अलग पहचान बनाए, जो आक्रामक भी हो और रचनात्मक होने के साथ अपने सामाजिक सरोकार के माध्यम से आम जनमानस से भी सीधे जुड़े।

सीएम यादव आज उप्र में

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज उत्तर प्रदेश के महाराजगंज, कुशीनगर और जौनपुर लोकसभा क्षेत्रों के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान विभिन्न जनसभाओं को संबोधित करेंगे एवं वाराणसी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन करेंगे। यादव दोपहर एक बजे के आसपास महाराजगंज क्षेत्र के इंटर कॉलेज में जनसभा करने पहुंचे हैं यहां से वे कुशीनगर के इंटर कॉलेज ग्राउंड,में सभा करेंगे। वे शाम छह वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजन करेंगे।

कॉलेजों ने रखा फीस बढ़ाने का प्रस्ताव

190 इंजीनियरिंग-मेडिकल कॉलेजों के दस्तावेजों की स्क्रूटनी शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एडमिशन एंड फीस रेगुलेशन कमेटी (एएफआरसी) को प्रदेश के इंजीनियरिंग, एमबीए, फामेर्सी, लॉ, एनसीटीई कोर्स सहित 250 कालेजों की फीस तय करना है। इनमें से इनसे में 60 बीएड कॉलेजों की फीस तय की जा चुकी है। एएफआरसी ने 190 इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों की फीस तय करने के लिए दस्तावेजों की स्क्रूटनी शुरू कर दी है। कुछ कॉलेज अब भी ऐसे हैं, जिन्होंने फीस तय कराने के लिए आवेदन नहीं किया है। इन कॉलेजों को सोमवार रात 12 बजे तक का समय दिया था।

3 साल के लेखा-जोखा के आधार पर तय होगी फीस

एएफआरसी कॉलेजों की फीस आगामी सत्र 2024-25, 2025-26 और 2026-27 तक के लिए तय करेगी। आवेदन करने वाले कॉलेजों ने फीस बढ़ने का प्रस्ताव रखा है। कमेटी कॉलेजों के तीन साल के लेखा-जोखा के आधार पर फीस तय करेगी। ऐसे कॉलेज जो आवेदन नहीं कराते हैं, तो वे प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेंगे। तकनीकी शिक्षा विभाग जून में काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। कॉलेजों की फीस तीन साल के लिए तय की जाती है। ऐसे मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी है और आवेदन नहीं किया है। वे प्रवेश प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेंगे। इन कॉलेजों को 21 मई रात 12 बजे तक का समय दिया गया था।

यह है नियम

- नियम अनुसार हर कॉलेज के लिए फीस तय करवाना जरूरी होता है। अगर कॉलेज फीस तय नहीं कराते हैं, तो वे काउंसलिंग की प्रक्रिया में हिस्सा भी नहीं ले सकते हैं। भले ही फीस बढ़ाई नहीं जाए।
- फीस कमेटी कॉलेज की कॉस्ट ऑफ एजुकेशन को देखते हुए इनकी फीस तय करती है।

एमसीयू में शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया, आवेदन 31 तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शुक्रवार से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने बताया कि विश्वविद्यालय पहली बार स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए सीयूईटी-यूजी में शामिल हुआ है। जानकारी के अनुसार प्रवेश के लिए विद्यार्थी 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्नातक पाठ्यक्रम में 12 वीं के प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा। बताया जाता है कि इसी तरह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी स्नातक के प्राप्त अंक का 70 प्रतिशत एवं साक्षात्कार का 30 प्रतिशत वैटेज दिया जाएगा।

बीए, बीकॉम, बीएससी के छात्रों को कराएंगे औद्योगिक विजिट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीए, बीकॉम, बीएससी, एमकॉम जैसे पारंपरिक कोर्स करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अब औद्योगिक क्षेत्रों की विजिट कराई जाएगी। विजिट के लिए कॉलेजों को ऐसी कंपनियों का चयन करना होगा, जो विद्यार्थियों को मेंटरिंग करने कॉलेजों को गोद लेने भी तैयार हों। जिससे छात्र-छात्राओं को नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकें और उन्हें खुद का स्टार्ट अप खड़ा करने में भी मदद मिल सके। अभी तक विद्यार्थी यह डिग्री लेने के बाद या तो कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयार करते हैं या फिर नौकरी के लिए डीएड, बीएड, नर्सिंग, एमीबीए, एमसीए, एमएसडब्ल्यू जैसे कोर्स करते हैं। इसके बाद ही उन्हें नौकरी मिलने की उम्मीद होती है। अधिकारियों का मानना है कि टेक्निकल के इस दौर में केवल थ्योरीकल नॉलेज से काम नहीं चलेगा। थ्योरिकल नॉलेज के लिए तो आज मार्केट में चैट जीपीटी जैसे सोफ्टवेयर उपलब्ध हैं, लेकिन छात्रों को प्रैक्टिकल नॉलेज की जरूरत है। इससे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मेट्रो एंकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा, कामों में तेजी लाने के निर्देश दिए

सिंहस्थ की तैयारियों में अफसरों के साथ अब मंत्रियों को भी झोंकनी होगी ताकत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन सिंहस्थ की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। ज्यादातर काम अभी कागजों तक ही सिमटे हैं। अब ये जमीन पर भी दिखेंगे लेकिन इसके लिए अफसरों को साथ मंत्रियों को भी ताकत झोंकनी होगी। मंत्रियों की जिम्मेदारी होगी कि वे अपने विभागों के कामों में तेजी लाए। अब तक यह पूरा काम अफसरों के भरोसे ही चल रहा था लेकिन समीक्षा बैठक हुई, जिसमें यह तय किया गया कि सिंहस्थ के लिए मंत्री मंडल समिति बनेगी, जिसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। उल्लेखनीय है कि उज्जैन सिंहस्थ से जुड़ी तैयारियों को लेकर किए जाने वाले कामों को आगामी बजट में शामिल किया जाएगा। इन कामों की प्रकृति के आधार पर इनके लिए राशि का आवंटन भी किया जाएगा। यह राशि उन्हीं कामों के लिए होगी, जिन्हें 3 वर्ष की अवधि में यानी सिंहस्थ के पहले पूर्ण किया जाना है।

यह हुआ तय : उज्जैन या आसपास के क्षेत्रों में ही विकास नहीं होगा, बल्कि पूरे मालवा-निमाड़ के जिलों में अद्योसंरचनात्मक विकास किए जाएंगे। जोर उज्जैन पर होगा और लक्ष्यों के साथ काम होंगे। इसमें आईआईटी के विशेषज्ञों की भी मदद ली जाएगी। यह भी तय किया गया कि नमामि गंगे की तर्ज पर शिप्रा के स्वरूप को बेहतर बनाने के लिए नमामि क्षिप्रा कार्यक्रम चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने ये निर्देश दिए

- उज्जैन नगर की जरूरतों और विकास को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ पर केंद्रित काम करे।
- क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्षिप्रा के संरक्षण और जन सुविधा का ध्यान रखते हुए नदी के घाटों को विकसित करे।
- उज्जैन में विकसित होने वाली स्पिरीचुअल सिटी के लिए महाकाल महालोक के प्रथम व द्वितीय चरण, उज्जैन विकास प्राधिकरण तथा गृह निर्माण मंडल की योजनाओं को सम्मिलित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि स्पिरीचुअल सिटी में धार्मिक दृष्टि से उज्जैन के महत्व व पहचान, मालवा की संस्कृति, परम्परा, रहन-सहन आदि को पर्याप्त अभिव्यक्ति मिले।

सिंहस्थ से पहले होंगे ये काम

- आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण जावरा-उज्जैन, इंदौर-उज्जैन फोरलेन, उज्जैन रेलवे स्टेशन की क्षमता वृद्धि तथा उज्जैन के आस-पास फ्लेग स्टेशन विकसित करने जैसे ब? कामों को बारिश से पहले शुरू किया जाएगा।
- क्षिप्रा को अविरल और निर्मल रखने के लिए विभाग और एजेंसी तीन स्तर पर काम करेंगी। इंदौर-उज्जैन के बीच स्टॉपडेम मरम्मत व निर्माण, गंदे पानी के डायवर्जन की योजना पर काम पूरा होगा।
- नमामि गंगे की तर्ज पर क्षिप्रा नदी के बेहतर स्वरूप के लिए 'नमामि क्षिप्रा' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।
- क्षिप्रा नदी पर सम्पूर्ण शहरी क्षेत्र में नवीन घाट बनाए जाएंगे।
- इंदौर, सांवेर, देवास व उज्जैन नगरीय क्षेत्रों में वर्ष 2040 की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जल-मल योजनाएं और सीवेज ट्रीटमेंट प्लान पर वर्ष 2027 से पहले काम पूरा किया जाएगा।
- कान्ह नदी सहित क्षिप्रा नदी में मिलने वाले सभी नदी-नालों का दिसम्बर 2027 तक ट्रीटमेंट पूरा किया जाएगा।
- सिंहस्थ के बेहतर प्रबंधन और समन्वय के लिए विभागीय अधिकारियों का दल प्रयागराज और हरिद्वार कुंभ का अध्ययन भी करेगा।

संपादकीय

चुनावी अनुमान और हकीकतें

देश के लोकसभा चुनाव ने अपने पांच चरण पूरा कर लिये हैं। छठवा और सातवां चरण अगले नौ दिन में पूरा हो जाएगा। स्वाभाविक ही अब बहस इन सभी चरणों के वोटिंग पैटर्न और 4 जून को इसके संभावित नतीजों की ओर मुड़ती दिख रही है। यानि कौन कितनी सीट जीतने वाला है। इन बहसों में सबसे ज्यादा चर्चा पहले तीन चरणों में वोटिंग प्रतिशत में आई कमी और शेयर बाजारों में आई जोरदार गिरावट की हुई। हालांकि, चौथे चरण में वोटिंग बढ़ने के बाद मार्केट अपने रेकॉर्ड लेवल के करीब पहुंच गया था। विश्लेषकों का एक तबका कह रहा है कि मार्केट में गिरावट इस वजह से आई क्योंकि उसे लगा कि नतीजे अप्रत्याशित होने वाले हैं। दिक्कत यह है कि इस तरह के विश्लेषण और उनके निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। खुद गृहमंत्री का बयान भी आया था कि मार्केट के बारे में गलत धारणायें हैं और मार्केट चार जून के बाद फिर और उछाल भरने वाला है। दरअसल 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन पिछले चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रुवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हो गये। इस बार भी यह ट्रेंड बार बार दिखने लगा। कम मतदान को सत्ता पक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट परसेंटेज का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। जहां तक उप्र,महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों की बात है तो इसमें दो राय नहीं कि वहां राजनीतिक घात-प्रतिघात की वजह से चुनावी परिदृश्य बड़ा जटिल हो गया है। खास बात यह है कि चुनाव के पहले चारों चरण में मुद्दों को लेकर भाजपा व कांग्रेस के बीच जमकर तनातनी रही। हर चरण में मुद्दे बदलते रहे। इसमें समाज,धर्म,संविधान, नीति आदि को लेकर बातें हुई और आशंका का गुबार भी खडा करने की कोशिशें देखी गई। बहरहाल जिन राज्यों में चुनाव हो गये हैं या जहां हो रहे हैं, उन सभी हिस्सों की भी बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह पीएम नरेंद्र मोदी ही हैं। उनके दस साल का कार्यकाल मतदाताओं के बड़े वर्ग के भीतर काफी सराहा जाता रहा है। आज भी उनके कईज्ञ समर्थक मतदाता किसी और नेता को उनके सामने नहीं देखते। इसके बावजूद बड़ा सवाल यह है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी, कुल मिलाकर चार सौ पार का नारा और दो सौ तक सिमटने के दावे प्रतिदावे के बीच देश का यह चुनाव काफी रोमांचक भी है और निर्णायक भी।यह बात दोनों ही प्रमुख दल कहते भी हैं।

लोग केवल परिणाम को,
प्रणाम करते है प्रयास को नहीं

आज का इतिहास

- 1545 पेशावर से कलकत्ता तक देश की सबसे लंबी सड़क का निर्माण करने वाले सूर वंश के संस्थापक शेरशाह शूरी की मौत।
- 1570 थियेट्रम आर्बिस टेर्राम नाम से पहला एटलस प्रकाशित हुआ, इसमें कुल 70 नक्शे थे।
- 1629 फर्डिनेंड द्वितीय, पवित्र रोमन सम्राट, और डेनिश राजा क्रिश्चियन IV ने तीस साल के युद्ध में डेनिश हस्तक्षेप को समाप्त करने के लिए लुबेक की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1712 सम्राट कैरेल छठी को हंगरी के राजा का ताज पहनाया गया।
- 1735 जॉर्ज हेडली ने ट्रेड विंड का पहली व्याख्या प्रकाशित की।
- 1746 रूस और ऑस्ट्रिया सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1762 स्वीडन और प्रशिया ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किये।
- 1816 इंग्लैंड के लिटिलपोर्ट, कैम्ब्रिजशायर में दंगा भड़क गया और अगले दिन ईली तक फैलने वाली उच्च बेरोजगारी और अनाज की बढ़ती लागत पर।
- 1841 1841 में गुरिआ में विद्रोह- जॉर्जिया प्रांत गुरिया ने रूसी साम्राज्य के खिलाफ विद्रोह आरम्भ किया।
- 1843 700-1000 प्रवासियों के साथ पहली वैगन ट्रेन स्वतंत्रता ओरेगन को मिसौरी भेजा
- 1849 अब्राहम लिंकन को एक नदी में बाधाओं पर लिफ्टबोट के लिए एक आविष्कार के लिए एक पेटेंट जारी किया गया था, जिससे वह केवल अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए पेटेंट पकड़ सकता था
- 1855 विक्टोरिया के प्रांत को न्यूसाउथ वेल्स से प्रशासनिक रूप से अलग किया गया।
- 1856 अमेरिकी कांग्रेसी प्रेस्टन ब्रूक्स ने सीनेटर चार्ल्स सुमेर पर एक भाषण के लिए बेंत से हमला किया था, सुमेर ने कांसर्स में दास-विरोधी हिंसा के प्रति सहानुभूति रखने वाले सॉथर्स पर हमला किया था।

निशाना

बाकी मुद्दे गौड़ हुए !

- कृष्णेन्द्र राय

जाति जाति चिल्ला कर ।
कर रहे सब काम ।।
बाकी मुद्दे गौड़ हुए ।
अब असली पैग़ाम ।।
गली अगर ना दाल तो ।
है पुनः विश्राम ।।
कर सब कुछ प्रयोग ।
हैं रहे नाकाम ।।
करने को सब सार्वजनिक ।
मन इनका ललचाया ।।
है फ़िलहाल महफ़िल ।
सत्ता की सब माया ।।
होगा कितना कारगर ?
पकड़ा जो हथियार ।।
लगता विघ्न आनी हैं ।
अड़चनें हज़ार ।।

हेलीकॉप्टर हादसे में रईसी की मौत के बाकी सवाल

■ पुष्परंजन

इ से तकनीकी भाषा में 'हार्ड लैंडिंग' बोलते हैं। लेकिन वास्तव में वह हेलीकॉप्टर क्रैश ही था, जिस पर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सवार थे। उनके साथ ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियान, जुमे की नमा? अदायगी कराने वाले तबरीज के इमाम मोहम्मद अली आले-हशीम, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमति जैसे नौ खास लोगों में से कोई भी जिंदा नहीं बच सका, जो 19 मई को पूर्वी अजरबैजान में किज कलासी बांध के उद्घाटन के बाद वतन लौट रहे थे। बचाव दल ने माना है कि हेलीकॉप्टर में कोई नहीं बच सका। ईरान में राजकीय शोक की घोषणा कर दी गई है। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर को सबसे पहले तुर्की के ड्रोन ने ही लोकेट किया था। तुर्की के ड्रोन ने अजरबैजान की सीमा से लगे तावील गांव की पहाड़ियों में उसके मलबे के पाये जाने की पुष्टि की थी। कुल 18-20 परिवारों का छोटा-सा गांव तावील, पूर्वी ईरान का हिस्सा है, जो वर्जाकन काउंटी में आता है। बकराबाद इसका मुख्यालय है। यहां पर रूसी और यूरोपीय संघ की खोजी टीमें ईरान की गोल्डन क्रीसेंट के साथ सहयोग के वास्ते आई थीं। अमेरिका की पूरी नजर 'सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन' पर लगी हुई थी। अमेरिकी-इस्राइली मंशा को टटोलने वाले तेजी से कयास लगाने लगे कि इस दुर्घटना के पीछे कोई बड़ा खेल हुआ है। इब्राहिम रईसी को बूचर ऑफ तेहरान (तेहरान का कसाई) कहकर कोसने में अमेरिकी-इस्राइली मीडिया आगे रहा है। यहूदी मीडिया ने लगातार उन जख्मों को ताजा किया था, जिसमें रईसी के आदेश से सैकड़ों राजनीतिक कैदी मार डाले गये थे।

इस हेलीकॉप्टर हादसे पर शक की वजहें भी हैं। 3 जनवरी, 2020 को मेजर जनरल जासिम सुलेमानी बगदाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में मारे गये थे। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान किस तरह की हिंसक कार्रवाई होती है, इससे ईरान जैसा देश अच्छी तरह से वाकिफ है। जनवरी, 2020 में ईरानी गुप्तचर सेवा को सीआईए के उस 'विभीषण' का पता लगाने का टास्क दिया गया था, जिसने कुद्स फोर्स के कमांडर मेजर जनरल जासिम सुलेमानी के मूवमेंट की सूचना साझा की थी। सीआईए या मोसाद जैसी एजेंसियां मिडिल ईस्ट से संबद्ध हर ईमेल, वेबसाइट्स, सोशल मीडिया मैसेजिंग को खंगालती रहती हैं, जो उनका टारगेट होता है। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के मूवमेंट को गोपनीय क्यों नहीं रखा जा रहा था? यह भी एक बड़ा सवाल है। पिछले महीने 24 अप्रैल को राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी पाकिस्तान आये थे। सबको उनके कार्यक्रम का पता था। पाक-ईरान सीमा पर दोनों तरफ से जो हमले माड़ी में हुए थे, उसका डैमेज कंट्रोल किया, और आठ ऐसे समझौते किये, जो ऊर्जा-कृषि से इतर ईरान के न्यूक्लियर-मिलिट्री प्रोग्राम को बूस्टर डोज देने वाले थे। इस समझौते को रूस और चीन ने पॉजिटिव माना था, मगर यह बात वाशिंगटन को कहीं न कहीं चुभ रही थी। युद्ध में भी इब्राहिम रईसी की भूमिका सकारात्मक नहीं थी। ईरान लगातार उकसाने वाली कार्रवाई को अंजाम देता रहा।

रईसी 1988 में राजनीतिक कैदियों को फांसी की देखरेख करने वाली एक समिति का हिस्सा थे। पांच महीनों के क्रूर कालखंड में रईसी ने जिस तरह से राजनीतिक विरोधियों को मरवाया, उसने उन्हें ईरानी विपक्ष के बीच अलोकप्रिय बना दिया था। अमेरिका को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। वर्ष 1989 में, ईरान के पहले सर्वोच्च नेता अयातुल्ला रूहुल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद रईसी को तेहरान का अभियोजक नियुक्त किया गया था। खुमैनी के बाद अयातुल्ला खामेनेई जब सर्वोच्च नेता बने, उनकी सरपरस्ती में रईसी लगातार आगे ब?ते रहे। रईसी 7 मार्च, 2016 को सबसे बड़े धर्मादा 'अस्तान कुद्स रजावी' के अध्यक्ष बने, जिसने उनकी स्थिति को और मजबूत किया। 2017 के राष्ट्रपति चुनाव में पराजय के बाद इब्राहिम रईसी ने जून, 2021 में 62 प्रतिशत वोट लेकर कामयाबी हासिल की थी। इब्राहिम रईसी की एक ख़ासियत यह थी कि वो ख़ुमैनी और ख़ामेनेई, दोनों खेमों का विश्वास हासिल करने में कामयाब रहे थे। 64 साल के इब्राहिम रईसी ने भले ही ईरान-चीन-रूस-सऊदी सहकार को मजबूत किया, पाकिस्तान से आठ समझौते और भारत से चाबहार ट्रिटी कर अपनी विदेश नीति को बैलेंस किया, लेकिन ईरान की घरेलू सियासत में कठोरपंथ और क्रूरता के कॉकटेल का ही सहारा लिया था। वर्ष 2022 के अंत में, ईरान की मोरल पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत क्रूरता का सबसे बड़ा उदाहरण बन गया था। हिजाब के विरुद्ध खड़ी 22 साल की महसा अमिनी की मौत से लोग सकते में थे। इस क्रूरता के विरुद्ध प्रतिरोध प्रदर्शनों ने ईरान को महीनों तक हिलाये रखा था। महिलाओं ने इस दमन के विरुद्ध अपने हिजाब उतार दिये, या जला दिये। कइयों ने अपने बाल काटकर सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किये थे। रईसी शासन ने अशांति फैलाने के आरोप में सात लोगों को सार्वजनिक फांसी दी थी। विदेशी मानवाधिकार संगठनों ने माना कि 500 के आसपास लोगों को बड़ी गुपचुप ढंग से मरवाया, और ताबड़-तोड़ दमनात्मक कार्रवाई की, जिससे 2023 के मध्य तक रैलियां समाप्त हो गईं। लोकतंत्र और व्यक्तिगत आजादी को कुचलने वाले एक क्रूर राष्ट्रपति की मौत पर क्या समस्त ईरान शोक मना रहा है?

ईरानी कानून के अनुसार, राष्ट्रपति की मौत हो जाने की स्थिति में उपराष्ट्रपति को कार्यभार सौंपना होगा, और 50 दिनों के भीतर चुनाव कराना होगा। यों भी, 1 मार्च, 2024 को 290 सदस्यीय संसद (मजलिस) का चुनाव हो चुका है, और जून, 2025 तक राष्ट्रपति चुनाव की प्रतीक्षा लोग कर रहे थे। इस समय प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद मुखबिर ने कार्यभार संभाल लिया है। कार्यकारी राष्ट्रपति कार्यालय दुनियाभर से आये शोक संदेशों को रिसीव करने लगा है, जिसमें पीएम मोदी की तरफ से भेजा मैसेज भी है। अजरबैजान 1991 में आजाद हुआ, तब से उसके इस्राइल के साथ प्रगाज राजनयिक संबंध हैं, जो ईरान को कांटे की तरह चुभता रहा है। ईरान के नाभिकीय कार्यक्रमों पर नजर रखने के लिए अजरबैजान का मोसाद ने जमकर इस्तेमाल किया है। इस्राइल-तुर्की- अजरबैजान की पार्टनरशिप को लेकर तेहरान कभी सहज नहीं हो सका। जनवरी, 2023 में तेहरान स्थित अजरबैजान दूतावास पर हमला कर उसके सुरक्षा प्रमुख को मार डाला गया था, साथ में कई सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए थे। मार्च, 2024 में बाकू में ओआईसी की पहल पर दोनों देश बातचीत की में पर बैठे, और संबंध नार्मल हुए। सोशल मीडिया पर ख़बरों की बाज देखकर इस्राइल को आधिकारिक रूप से इसका खंडन करना पड़ा कि हेलीकॉप्टर हादसे से उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद का कोई लेना-देना है। अमेरिका अब भी चुप है।

-साभार: लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

शहर के चौराहों पर हरे पर्दे लगाने से ज्यादा जरूरी है ईमानदारी से पेड़ लगाना

■ विनोद पाठक

देश में गर्मी का प्रकोप जारी है। राजस्थान में तो तापमान 46 डिग्री को पार कर गया है। राजस्थान के कई शहरों में सड़कों पर पानी का छिड़काव हो रहा है तो जयपुर शहर में कुछ चुनिंदा रेड लाइट्स पर धूप से बचने के लिए हरे पर्दे लगा दिए गए हैं, जो चर्चा का विषय बना हुए हैं। कुछ लोग सरकार के इस इनिशिएटिव की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि पेड़ लगाए होते तो हरे पर्दों की जरूरत नहीं पड़ती। इस बात में दम भी है। दरअसल, शहर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन उस लिहाज से पेड़ों को नहीं लगाया जा रहा है। यही कारण है कि देश के अधिकांश शहरों में सड़कें पेड़ विहीन हैं, जबकि भारत में पूर्व में सड़क किनारे पेड़ लगाने की परंपरा रही है।जयपुर के चौराहों पर लगे हरे पर्दों ने एक बार फिर सड़क किनारे पेड़ों की महत्व के विषय को चर्चा में लाने का काम किया है। एक बार फिर इस बात पर बहस हो रही है कि कंक्रीट के जंगल यदि जरूरी हैं तो पेड़ लगाना उतना ही जरूरी है। वैसे तो भारत में वनों की संख्या में इजाफा हुआ है, लेकिन हमारे शहर जरूर पेड़ विहीन होते जा रहे हैं। भले वो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हो, आर्थिक राजधानी मुंबई हो या फिर राजस्थान की राजधानी जयपुर,

कंक्रीट के जंगल यदि जरूरी हैं तो पेड़ लगाना उतना ही जरूरी है। वैसे तो भारत में वनों की संख्या में इजाफा हुआ है, लेकिन हमारे शहर जरूर पेड़ विहीन होते जा रहे हैं....

अधिकांश सड़कें पेड़ों के बिना सूनी नजर आती हैं। कुछ माह पहले 'ट्रीज ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट आई थी, जिसका अध्ययन 'जर्नल बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशन' में प्रकाशित हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में पेड़ों की 3708 से ज्यादा प्रजातियां हैं, लेकिन 347 प्रजातियों पर संकट छाया हुआ है, यानी हम विकास की दौड़ में अपने देश की पेड़ों की प्रजातियां की भी बलि चढ़ाते आ रहे हैं। खास बात यह है कि पेड़ों की 609 प्रजातियां तो ऐसी हैं, जो दुनिया में केवल भारत में पाई जाती हैं, यानी इन पेड़ों का मूल निवास भारत है।%नेचर% पत्रिका की एक रिसर्च कहती है कि भारत में 3518 करोड़ पेड़ हैं। प्रति स्क्वायर किलोमीटर के हिसाब से 11,109 पेड़ हैं, यानी प्रति व्यक्ति अगर आंकड़ा निकाला जाए तो यह संख्या केवल 28 होती है। प्रति व्यक्ति पेड़ों के लिहाज से हमारी दुनिया में 125 वीं रैंक है। जनवरी 2022 में संसद में सरकार ने वन सर्वेक्षण रिपोर्ट-2021 जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि पिछले दो वर्षों में देश के कुल वन और वृक्षों से भरे क्षेत्र में 2261 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। 17 राज्य/ केंद्र शासित शासित प्रदेशों का 33 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र वनों से पटा हुआ है। यह अच्छी बात है, लेकिन यदि सरकारी रिपोर्ट में दम है तो फिर यह पेड़ शहरों में क्यों नजर नहीं आते हैं?

प्रत्येक साल मानसून में व्यापक स्तर पर पूरे देश में पौधारोपण का युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जाता है। सैकड़ों पेड़ लगाने के बड़े-बड़े दावे होते हैं, लेकिन अमूमन देखा गया है कि पौधा लगाकर सरकार अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेती है और वो पौधा कभी पेड़ बना या नहीं, इसका कोई रिकॉर्ड सरकार के पास नहीं है। जिस तरीके से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसके दुष्प्रभाव हम मौसम के असामान्य होने में देख रहे हैं। बढ़ता तापमान आज हमें परेशान कर रहा है, लेकिन क्या केवल चुनिंदा चौराहों पर हरा पर्दा लगाकर राहत प्रदान की जा सकती है। असहनीय धूप में दोपहिया वाहनों और पैदल यात्रियों का चलना बेहद मुश्किल है। सरकार राहत देने के लिए हरे पर्दे तो लगवाए, लेकिन ज्यादा जरूरी आज सड़कों को पेड़ों से पाट देने की है। अच्छा यह हो कि सड़क किनारे पेड़ लगाने के अभियान में सरकार के साथ आमजन भी जुड़े। पौधों को लगाकर ही कार्य की इतिश्री न की जाए। पौधे को पेड़ बनाने तक की जिम्मेदारी लोग अपने हाथों में लें।

- साभार

समर में सेल्फ स्टडीज जिले में की जा रही है एक अनूठी पहल

विद्यार्थी और शिक्षक की फोन पर प्रतिदिन शिक्षा पर चर्चा...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

केसला ब्लॉक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के एकीकृत हाईस्कूल गोंची तरोंदा में एक अनूठी पहल की गई है। गर्मियों में सरकारी स्कूल के बच्चे पढ़ाई नही करते है और यहाँ-वहाँ अपना समय खराब करते हैं। स्कूल के प्राचार्य डॉ. आर अभ्यंकर ने समर में सेल्फ स्टडीज की एक अभिनव पहल की है। इसके तहत हर दिन स्टूडेंट को फोन लगाकर संपर्क करते हैं और शिक्षा संबंधी चर्चा कर उन्हें व उनके अभिभावकों को आवश्यक परामर्श देते हैं। विद्यार्थी भी उक्त अभिनव पहल में रूचि ले रहे हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि आज तक कही भी गर्मियों की छुट्टी में सरकारी स्कूल के बच्चे पढ़ाई नही करते थे। इस अभिनव पहल से अब वे भी प्रतिदिन फोन पर शिक्षको से हुई चर्चा उनके विषयाअनुसार दी गई सलाई अनुसार अध्ययन कर रहे हैं और अगले दिन पुन- फोन पर हुई चर्चा अनुसार पढ़ाई कर रहे हैं।

÷समर में सेल्फ स्टडीज सरल नोट्स द्वारा..... एक अभिनव पहल÷ पर चर्चा

केसला ब्लॉक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के एकीकृत हाई स्कूल गोंची तरोंदा में एक अनूठी पहल संस्था के प्राचार्य डॉ आर अभ्यंकर द्वारा की गयी हैं। आज तक कही भी गर्मियों की छुट्टी में सरकारी स्कूल के बच्चें पढ़ाई नहीं करते और रिश्तेदारों के यहाँ खेत मे इधर उधर घूमते रहते हैं और फिर जून जुलाई में विद्यालय आते हैं जिससे उन्हें पढ़ाई कठिन लगती।

गर्मियों की छुट्टी के बाद सेप्टेंबर और दिसंबर त्रैमासिक और अधर्धवर्षिक और फरवरी में प्रीबोर्ड परीक्षा में निकल जाते हैं पढ़ाई के लिए 6 माह ही बचते हैं यही उद्देश्य को देखते हुए इस नई इन्नोवशन की शुरुवात की गई है।इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को हर विषय के सरल नोट्स जो सिलेबस का 40त पार्ट हैं उन्हें सरल भाषा में प्राचार्य एवं शिक्षको द्वारा तैयार किया गया जिससे बच्चो को घर मे पढ़ने में आसानी होगी।

ऑनलाइन मूल्यांकन विधि बोर्ड के बच्चो का एक ग्रुप बना हुआ है जिससे बच्चे दिन भर जो याद किया उसे लिख कर ग्रुप पर भेजते हैं और प्राचार्य डॉ आर अभ्यंकर एवं शिक्षक उसे चेक करते हैं।

क्या है सरलीकरण मेथड हर

1. विषय के नोट्स में जैसे इंग्लिश में एप्लीकेशन को एक तकनीक से बच्चें को बिना याद वाले प्रश्न के उत्तर लिखने को नोट में बताया।
2. गणित में फार्मूले,एल सी एम, एच सी एफ, प्रमेय।
3. सामाजिक अध्ययन में नक्शे हार्ड टॉपिक की तुलनात्मक अध्ययन।
4. संस्कृत में श्लोक निबंध
5. हिंदी में व्याकरण
6. विज्ञान मे रासायनिक अभिक्रिया, संकेत, डायग्राम।

प्राचार्य डॉ आर अभ्यंकर द्वारा हर स्टूडेंट को शिक्षक वाइस अलॉट किया गया जिसे हर शिक्षक और प्राचार्य हर दिन फोन लगाते हैं यदि बच्चें फोन पर सही रिस्पांस नही देते तो उनके पालकों से बात की जाती हैं। और फिर उस बच्चें को अपडेट करते हैं।

विभाग द्वारा समर स्टडीज कैम्प की समीक्षा

विभाग के सहायक आयुक्त संजय द्विवेदी द्वारा इस समर स्टडीज कैम्प की सराहना की गई और इस अनूठी पहल के लिए प्राचार्य को बधाई दी हैं।

'अल्प विराम-स्वयं से मुलाकात' कार्यक्रम हुआ आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग द्वारा मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा एवं विंध्याचल में पदस्थ पुलिसकर्मियों के लिये दो दिवसीय 'अल्पविराम - स्वयं से मुलाकात' कार्यक्रम आयोजित किया गया। अल्पविराम शांत समय मे अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाता है।

अल्पविराम कार्यक्रम के माध्यम से जीवन में आंतरिक आनंद के महत्व पर चर्चा की गईद्य सेशन में विभिन्न टूल्स के माध्यम से जीवन का लेखा-जोखा, हमारे रिश्ते, चिंता का दायरा, प्रभाव का दायरा और विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से जीवन में मानवीय मूल्यों के महत्व पर गहराई से सभी अधिकारियों कर्मचारियों के साथ चर्चा कर एवं अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में मुख्य सुरक्षा अधिकारी/ सहायक पुलिस आयुक्त अविनाश शर्मा, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, राज्य आनंद विभाग के निदेशक प्रवीण गंगराड़े, कार्यक्रम समन्वयक मनु दीक्षित एवं मास्टर ट्रेनर राजेंद्र असाटी, प्रदीप महतो, सीमा अग्निहोत्री और मुकेश करुरा उपस्थित थे।

ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई के लिए अधिकारियों द्वारा रात्रिकालीन की जा रही पेट्रोलिंग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

तवा परियोजना अंतर्गत नर्मदापुरम एवं हरदा जिले में ग्रीष्म कालीन फसल मूंग की सिंचाई के लिए नहरों से पानी प्रदाय किया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री तवा परियोजना मंडल नर्मदापुरम आरआर मीना ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि वर्तमान में प्रथम एवं द्वितीय सिंचाई के लिए पानी प्रदाय किया जाकर तृतीय पानी प्रगति पर है। तवा बांध में मूंग सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी है, घोषित क्षेत्र में तवा बांयी तट नहर प्रणाली में 3 या 4 जून तक एवं दांयी तट नहर प्रणाली में 28 एवं 29 मई तक पानी प्रदाय किया जाना संभावित है। अंतिम तृतीय सिंचाई प्रगति पर है, इसके लिए तवा बांयी तट नहर प्रणाली में

क्षेत्र में दिया जा रहा है पानी : अधीक्षण यंत्री

मानिटरिंग के लिए इटारसी, सिवनीमालवा के अमले के अलावा चेन 0 से चेन 1526 तक अनुविभागीय अधिकारी विद्युत यांत्रिकी श्री जाटव को अपने अमले सहित रात्री कालीन नहर की पेट्रालिंग के लिए तथा चेन 1526 से चेन 3008 तक अनुविभागीय अधिकारी विद्युत यांत्रिकी हरदा महेन्द्र ओगले द्वारा रात्रीकालीन पेट्रोलिंग की जा रही है। जिससे नहर में उचित जल प्रबंधन किया जाकर घोषित क्षेत्र में पर्याप्त सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त आवश्यक होने पर संभागो के कार्यपालन यंत्री आंतरिक व्यवस्था बनाने के लिए ओसराबंदी लागू कर रहे हैं। उन्होंनें कमांड अंतर्गत कृषक बंधुओ से अनुरोध किया है कि व धैर्य रखकर विभाग के अमले को अपना सहयोग प्रदान करें।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हुआ

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध संदर्भ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह वेबिनार उच्च शिक्षा विभाग , मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रायोजित हुआ।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. नीता पांडेय ने मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि भारत एक व्यापक संस्कृति और प्राचीनतम इतिहास से समृद्ध राष्ट्र रहा है। यहां ज्ञान की विभिन्न धाराएं सदियों से प्रवाहित रही हैं। आज इस वेबिनार के माध्यम से हम उन धाराओं से परिचित हो सकेंगे। वक्ता के रूप में बोलते हुए कोच बिहार पंचानन बर्मा विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल से जुड़े डॉ. सुशील कुमार सुमन ने वैदिक सभ्यता में ज्ञान के प्रति उत्सुकता और खोज को रेखांकित किया, साथ ही उसके विकास को लोक-ज्ञान के तालमेल के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया। एनसीआरटी के क्षेत्रीय संस्थान भोपाल में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ. अरुणाभ सौरभ ने भारतीय ज्ञान परंपरा की विभिन्न धाराओं के बीच सहमति-असहमति और पारस्परिकता को प्रस्तुत करते हुए अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने भारतीय चिंतन और ज्ञान की परंपरा में ज्ञान के विविध अनुशासनों के महत्त्व को स्पष्ट किया।

कृषकों के लिए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि 31 मई निर्धारित

रायसेन । राज्य शासन ने केवल उपार्जन से संबंधित कृषकों के लिए खरीद 2023 सीजन में वितरित किए गए अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि बढ़ाकर 31 मई 2024 नियत की गई है। सरकारी बैंकों के माध्यम से कृषकों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान योजना अंतर्गत वर्ष 2023-24 में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना निरन्तरता के संबंध में भी निर्देश जारी किये गये हैं। योजनान्तर्गत खरीफ 2023 सीजन में वितरित अल्पकालीन फसल ऋण की देय तिथि (ड्यू डेट) 28 मार्च, 2024 को बढ़ाकर 30 अप्रैल, 2024 करने के आदेश सहकारिता विभाग ने प्रसारित किये हैं।

किसानों को उपार्जित फसल की देय राशि प्राप्त होने में तकनीकी आदि कारणों से विलंब को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि केवल ऐसे कृषकों जिनके द्वारा निर्धारित ड्यू डेट 30 अप्रैल, 2024 तक समर्थन मूल्य पर अपने विभिन्न फसलों जैसे - गेहूं, चना, मसूर, सरसों आदि का विक्रय किया गया है एवं उन्हें उनके उपज विक्रय की राशि का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है।

सीएमओ ने किया सब्जी मंडी का निरीक्षण, सब्जी मंडी एवं वार्ड में दिए आवश्यक साफ-सफाई के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

गतदिवस नगर पालिका सीएमओ हेमश्वरी पटले ने कोठी बाजार में स्थित सब्जी मंडीका निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने पोस्ट आफिस नर्मदा घाट क्षेत्र वार्ड 8, एवं वार्ड 12 का निरीक्षण किया। उन्होंने अधीनस्थ अमले को निर्देशित किया कि वे उक्त स्थलो पर साफ-सफाई एवं वार्डो के नालो/नालियो की बरसात से पूर्व साफ-सफाई करे ताकि बरसाती जल की निकासी हो सके। उन्होने मुख्य मार्ग पर किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने वार्ड वासियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना तथा मौके पर ही समस्याओं के निराकरण की कार्यवाही की गई । इस अवसर पर नगर पालिका के संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर | कलेक्टर ने आष्टा तहसील कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

तत्कालीन रीडर की वेतन वृद्धि रोकने तथा वर्तमान रीडर को शोकाज नोटिस जारी के दिए निर्देश

सीहोर , दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर प्रवीण सिंह ने आष्टा तहसील कार्यालय तथा तहसील कोर्ट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही पाए जाने पर तहसीलदार के तत्कालीन रीडर की वेतन वृद्धि एवं वर्तमान रीडर तथा हल्का पटवारी को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन के राजस्व संबंधी निराकरण में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने तहसील कार्यालय तथा तहसील कोर्ट के नामांतरण बंटवारा, सीमांकन, बटांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजस्व संबंधी प्रकरणों के निराकरण में विलम्ब होने पर घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए तहसीलदार के तत्कालीन रीडर श्री लाखन सोलंकी द्वारा चार्ज सूची नहीं देने एवं प्रकरणों मे विलम्ब करने के लिए वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार तहसीलदार के वर्तमान रीडर श्री कमरुद्दीन के द्वारा हल्का पटवारी अलीपुर आष्टा को समय पर अमल के लिए प्रकरण नहीं देने के लिए शोकाज नोटिस देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार हल्का पटवारी आष्टा वीरेंद्र ठाकुर द्वारा नामांतरण में अमल नहीं किए जाने पर शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तहसीलदार को निर्देश दिए कि राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण कराएं तथा आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का भी त्वरित निराकरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी कार्यों के लिए तहसील आने वाले आमजन को कोई परेशानी न हो। साथ ही उनकी शिकायतों एवं समस्याओं को पूरी गंभीरता से सुना जाए और शीघ्र समाधान किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह एवं एसडीएम श्रीमती स्वाती मिश्रा उपस्थित रहे।

थोक अनाज व्यापार संघ ने मंडी सचिव को दिया ज्ञापन

3 दिन में हम्मालों, ऑपरेटर का विवाद शांत नहीं हुआ तो डाक नीलामी में नहीं लेंगे भाग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गवा के साथ व्यापारियों ने मंडी सचिव रामदीन इमने ज्ञापन देते हुए कहा कि हम्मालों और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर को बीच में विवाद होने के कारण हम व्यापारियों को डाक नीलामी के बाद खरीदें के बाद माल लोड नहीं हो रहा है इस वजह से हम व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। पहले भी हम लोगों ने इनके विवाद को दूर करने के बाद ही डाक नीलामी में भाग लेने का निर्णय लिया था। मंडी प्रशासन मिलकर इनके विवाद का समाधान निकाले क्योंकि खरीदी गई उपज की लोडिंग नहीं होगी तो हम डाक में कैसे उपज खरीद पाएंगे इसलिए इनके विवाद को तीन दिवस के अंदर खत्म नहीं कराया गया तो थोक अनाज तिलहन संघ के व्यापारीगण सोमवार से कृषि उपज मंडी में होने वाली डाक नीलामी में भाग नहीं लेंगे समय रहते इस समस्या का समाधान मंडी प्रशासन करवाएं। वहीं पहले भी कई बार इन दोनों के विवाद के कारण डाक नीलामी प्रभावित हो चुकी है इस समस्या का समाधान मंडी प्रशासन स्थाई रूप से क्यों नहीं कर पा रहा है। डाक नीलामी बंद होने से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा ।मंडी सचिव को हम्मालों और ट्रक ऑपरेटर से बात करके समस्या का शीघ्र समाधान निकालना चाहिए जिस की डाक नीलम प्रभावित न हो। इस दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी गण मौजूद थे।

व्यापारियों का अल्टीमेटम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि की अर्पित

सिरोंज। ब्लॉक कांग्रेसने दी राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश यादवअ के नेतृत्व मै राजीव गांधी अस्पताल में मरीजों को फल वितरित कर पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की । 21 मई का दिन पुण्य तिथि का है। इस दिन यानी 21 मई को हर साल आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। साल 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी सभा के दौरान लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के एक आत्मघाती हमलावर द्वारा उनकी हत्या कर दी गई थी। आत्मघाती हमलावर ने एक बेल्ट बम चलाया था, जिसमें राजीव गांधी समेत कई लोग मारे गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद से 21 मई 1991 को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की घोषणा की गई थी। 40 साल की उम्र में बने प्रधानमंत्री भारत के छठे प्रधानमंत्री रहे राजीव गांधी अपनी मां और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मौत के बाद 40 साल की उम्र में देश के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसे कई फैसले लिए हैं, जो बेहद अहम और दूरगामी साबित हुए। इस अवसर पर कांग्रेस के पहलवान सिंह, अशोक यादव, अ सुब्हान गोरी आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

कागजों में संचालित हो रहीं नलजल योजनाएं, एक हफ्ते में एक दिन मिल रहा है नल से जल

गिरता जलस्तर बन रहा समस्या, गांव-गांव गहराने लगा जल संकट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कम वर्षा होने से इस बार नगर सहित ग्रामीण अंचलों में जल संकट की स्थिति है जगह-जगह से पानी को लेकर शिकायत सामने आ रही हैं। नगर के केथन डैम का जलस्तर काफी गिरने से आगामी दिनों में शहर में पेयजल संकट खड़ा होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। तो वहीं ग्रामीण अंचलों में भी वाटर लेवल नीचे जाने के कारण शासकीय ट्यूबवेलों में भी पानी की किल्लत होने लगी है। गर्मी का पारा जिस तरह बढ़ रहा है उसी तरह क्षेत्र में जल संकट गहराता जा रहा है कई गांवों में स्थिति बिगड़ने लगी है।

इस गहराते जल संकट के बीच जिम्मेदारों की व्यवस्थाओं की भी पोल खुलती दिखाई पड़ रही है। एक तरफ जहां सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुविधाएं मिल सके इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च कर विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। लेकिन उनके ही जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते योजनाएं धरातल पर साकार नहीं हो पा रही हैं। एक तरफ शासन विकास के दावे कर रही है तो वहीं दूसरी ओर उनके ही जिम्मेदार सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को जमीनी स्तर पर वह पलीता लगा रहे हैं। क्षेत्र के ग्राम रतनवर्री, जगथर, उनारसीताल, पथरिया सहित एक दर्जन से अधिक पंचायतों में करोड़ों रुपए की लागत से नल जल योजना के माध्यम से कार्य कराए गए हैं, लेकिन स्थिति यह है कि लोगों को पानी के लिए एक-एक हफ्ते इंतजार करना पड़ रहा है। यह स्थिति किसी एक गांव में नहीं है क्षेत्र के अनेकों गांव में यही स्तिथि है। अधिकांश गांवों में नल जल योजना के नाम पर ठेकेदारों ने अधिकारियों से सांठगांठ कर आधी अधूरी योजना को पूरा दिखाकर लाखों रुपये निकाल लिए, बावजूद इसके आज तक ग्रामीणों को नियम अनुसार शुद्ध पानी नहीं मिल सका। जबकि सरकार जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नलों के जरिए पानी पहुंचाने का दावा कर रही है। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल

उलट है। क्योंकि क्षेत्र के अधिकांश गांवों में स्थिति बद से बदतर है जहां जिम्मेदारों ने कागजों में ही योजना दिखाकर लाखों रुपए निकाल लिए हैं। रतनवर्री के ग्रामीण धर्मसिंह, पर्वत सिंह, सुमंत्रा बाई आदि बताती है कि नल जल योजना के माध्यम से हमारे घरों तक ठेकेदार के माध्यम से पानी की नली तो पहुंचा दी। करोड़ों रुपए की लागत से नल जल योजना तो पूर्ण हो गई, लेकिन आज तक उसे चलाने वाले की उचित व्यवस्था नहीं हो सकी। जबकि है लोगों ने कई बार शिकायत भी की लेकिन कोई उचित जवाब आज तक नहीं मिल सका। इतनी भीषण गर्मी में गांव के लोग एक कुएं से पानी भरकर लाने को मजबूर हैं।

करोड़ों रुपए की योजनाएं चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गावों में नल जल योजना पूरी तरह फैल साबित हो रही है। ठेकेदार और पीएचई के अधिकारियों पर ग्रामीण आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं। जिम्मेदारों की मिलीभगत से सरकार की महत्वपूर्ण योजना में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार किया गया है। पीएचई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र में नल जल योजना के तहत 54 यजनाएं गतिशील है। जिनमें से कई योजनाएं पूर्ण हो चुकी है तो कई गावों तक पहुंचने में ही दम तोड़ चुकी हैं। यदि विभाग स्तर से इसकी जांच कराई जाए तो इन योजनाओं में से आदि योजनाएं सिर्फ कागजों में ही संचालित हो रही है।

क्षेत्र में अधिकांश जगह कागजों में संचालित हो रही नल जल योजनाएं

हर घर नल जल योजना के तहत केंद्र व राज्य सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते इतनी महत्वपूर्ण योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। तहसील की कई ग्राम पंचायतों में नल जल योजना का काम गतिशील है लेकिन अधिकांश पंचायतों में ठेकेदारों द्वारा यह कार्य केवल कागजों में ही दिखया जा रहा है जबकि धरातल पर ग्रामीण आज भी पीने के पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। गर्मी का संकट आते तहसील में आए दिन गांवों के लोग पहुंच कर शिकायत करते देखे जा सकते हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं यही कारण है कि ठेकेदार अपनी मनमर्जी चला रहे हैं।

कंचनपुर के ग्रामीणों ने हेड पंप पर अवैध कब्जे को लेकर सौंपा ज्ञापन

मंगलवार को कंचनपुर के ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि गांव के हरिजन मोहल्ला में शासकीय हैंडपंप है जिस पर गांव के एक दबंग व्यक्ति ने कब्जा कर लिया। जिसकी वजह से गांव के लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त दबंग व्यक्ति ने शासकीय हैंडपंप में निजी मोटर डालकर खुद के लिए पानी का उपयोग कर रहा है जिस कारण से गांव के सभी लोग कई दिनों से पानी को लेकर परेशान हैं। उन्होंने तहसीलदार से जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

इनका कहना है -

क्षेत्र में नल जल योजना व्यवस्थित रूप से चल रही हैं, जहां-जहां से हमें शिकायत मिलती है हम कार्रवाई करते हैं। भीषण गर्मी के कारण जल स्तर गिर रहा है कई जगह समस्या उत्पन्न हो रही है, हम नए बोर करवाकर पानी की व्यवस्था करवा रहे हैं।

यशवंत सिंह सिरोही, *एसडीओ पीएचई विभाग*

हिनोतिया में हो रही राम कथा सुनने के लिए उमड़ रहे हैं श्रद्धालु

सिरोंज। ग्राम हिनोतिया में श्री सदाशिव धाम पर पांच दिवसीय राम कथा का आयोजन हो रहा है। कथा के तृतीय दिवस पर श्री राम प्रभु के कथा का वर्णन करते हुए कथा वाचक श्री राम किशोरी जी कहां कि राम जी ने सारी दुनिया को मर्यादा का मार्ग दिखाया है आज उनके बताएं मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। विस्तार से उन्होंने कथा का रासपान कराया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद थे।

पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा शासन के नियमों की खुलेआम उड़ाई जा रहीं हैं धज्जियां!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जिले में संचालित पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को हवा, पानी एवं शौचालय दिये जाने की शर्त पर लाइसेन्स जारी किया जाता है, लेकिन मनमाने तरीके से उक्त सुविधाऐं देना तो दूर कभी वाहनों मे हवा भरने की सुविधा ही खराब है। तो कभी वाटर कूलर गड़बड़ रहता है,वही अधिकतर पेट्रोल पंपों पर शौचालय में ताला लटका रहता है। इस संबंध में यदि उपभोक्ता द्वारा पेट्रोल पंप के मेनेजर या उनके पंप संचालक से बात की जाती है। तो वह कोई सकारात्मक जबाब नहीं देते इतना ही नहीं सम्बन्धित विभाग के अधिकारी भी कई बार औचक निरीक्षण करने के बाद महज ओपचारिक तौर पर रस्म अदायगी कर कागजी खानापूर्ति करके अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

और पंप मालिकों से सांठ-गांठ करके सभी सुविधाओं का प्रमाणीकरण कर चलते बनते हैं,जनचर्चा के मुताबिक कई उपभोक्ताओं ने तो यहां तक बताया। नाम ना छापने की शर्त पर यदि सुविधाओं की बात कही जाती हैं तो पंप में कार्यरत कर्मचारी विवाद करने की स्थिति में उतर आते हैं कारण यह है कि हवा के लिये बनाया गया शेड पर यदि दोपहिया वाहन या चार पहिया वाहन खड़ा किया जाय तो बिना कारण के ही खराब होने का नाटक बता दिया जाता है। इसी तरह पेट्रोल पंपों मे लगे वाटर कूलर भी गर्मी के मौसम में जहां तहां त्राहि त्राहि मची है वहा पर पेयजल की सुविधा न मिलना समझ से परे हैं कई बार उपभोक्ताओं ने शौचालय एंव बाथरूम के संबंध में बातचीत की तो यह कहा जाता है कि गन्दा हो जाता है इस कारण ताला लगा कर रखा है। पंप संचालकों के द्वारा आम उपभोक्ताओं को जिन सुविधाओं का लाभ दिया जाना चाहिये वह क्यों नहीं दी जा रही है,आखिर कार ऐसा क्या किया जाये जिससे पेट्रोल पंपों पर सुधार हो यह विचारनीय पहलू यह है कि सम्बन्धित विभाग के उच्च अधिकारी इस ओर ध्यान देकर उपभोक्ताओं को सुविधाओं का लाभ क्या दिला पायेंगे।

पेट्रोल पंपों में नहीं हैं बुनियादी सुविधाएं

मेट्रो एंकर राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

कलेक्टर ने नक्शा तरमीम के कार्यों को परिलक्षित करने के निर्देश दिए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर ने राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा की है। उन्होंने कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में मौजूद सभी राजस्व अधिकारियों को उन्होंने राजस्व कार्यों के संपादन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया है।

कलेक्टर ने खासकर नक्शा तरमीम कार्यों की बारीकी से समीक्षा की है। नक्शा विहीन ग्राम प्रगति कार्यों की स्थिति, त्रुटि पूर्ण नक्शा व डुप्लीकेट नक्शा वाले ग्रामों की जानकारी प्राप्त कर उन्होंने इस कार्य को जिले भर में अभियान के रूप में क्रियान्वयन कर प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सारा पोर्टल रिपोर्ट में लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के लिए कार्य योजना बनाकर आगामी माहों में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। इन प्रकरणों के निराकरण के लिए लक्ष्य निर्धारित कर क्रियान्वयन करें।

कलेक्टर ने पीएम किसान अंतर्गत किसानों की ई केवाईसी के कार्यों को शीघ्र पूरा कराए जाने के निर्देश दिए हैं उन्होंने बताया कि पीएम किसान अंतर्गत जिले में 4555 किसानों की ई केवाईसी कराई जाना है इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए संपादन किया जाए। साथ ही एनपीसीएल, डीबीटी लिंकिंग कार्यवाही के लंबित प्रकरणों का भी निराकरण करें। उन्होंने कहा कि

एनपीसीएल, डीबीटी लिंकिंग कार्रवाई हेतु 4669 प्रकरण लंबित हैं जिन्हें शीघ्र निराकृत कराएं। साथ ही पीएम जनमन पीव्हीटीजी अभियान अंतर्गत पीएम किसान में जिन किसानों के प्रकरण लंबित हैं उनमें भी शत-प्रतिशत सैचुरेशन लाया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर के द्वारा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों के गतिशील प्रकरणों की स्थिति व कार्यों की भी समीक्षा की है। साथ ही साथ उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी एसडीएमओ को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ राहत कार्यों के संबंध में लोकल स्तर पर भी बैठकें आयोजित करें इन बैठकों में सड़क निर्माण एजेंसियों को बुलाकर अभी से तैयारी कर लें और सड़क व पुलिया से अनावश्यक सामग्री, मिट्टी मलबे को हटाए जाने के कार्यों का संपादन कराएं।

सीएम हेल्पलाइन तहत जारी ग्रेडिंग सूची में विदिशा जिला द्वितीय स्थान पर

सिरोंज। कलेक्टर के मार्गदर्शन तथा उनके द्वारा सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण हेतु की जा रही विशेष पहल पर प्रदेश स्तरीय जिलों की जारी ग्रेडिंग सूची में विदिशा जिले ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा सीएम हेल्पलाइन तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण तथा संतुष्टिपूर्वक निराकरण हेतु विशेष पहल की गई थी। उनके द्वारा सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की विभाग वार समीक्षा के साथ-साथ क्रॉस मॉनिटरिंग की जा रही है जिसके फलस्वरुप प्रदेश स्तरीय प्रतिमाह जारी होने वाली ग्रेडिंग सूची में विदिशा जिला द्वितीय स्थान पर पहुंच गया है। कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा सीएम हेल्पलाइन तहत आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण कराए जाने हेतु विशेष बैठकों का आयोजन भी किया गया तथा उनके द्वारा समस्त जिलाधिकारी व खंड स्तर पर भी अधिकारियों से संवाद कर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराए जाने हेतु निर्देश किया गया था।

आईपीएल में आज राजस्थान और आरसीबी के बीच होगा मुकाबला

आखिरी मौका, जो हारा वो बाहर

अहमदाबाद, एजेंसी

आइपीएल-2024 का एलिमिनेटर मुकाबला बुधवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच खिताबी होड़ में बने रहने का यह आखिरी मौका है, क्योंकि इस मैच में हारने वाली टीम का सफर खत्म हो जाएगा। वहीं, जीतने वाली टीम फाइनल में जगह बनाने के लिए क्वालीफायर-1 में हारने वाली टीम से भिड़ेंगी। ऐसे में राजस्थान और आरसीबी के लिए यह करो या मरो वाला मुकाबला है।

आरसीबी 6 जीत से हौंसले बुलंद

आरसीबी ने इस सीजन जिस अंदाज में वापसी की है, वो दूसरी टीमों के लिए उदाहरण है। शुरुआती आठ में से सात मैच हारने के बाद लग रहा था कि आरसीबी का सफर तालिका में सबसे निचले पायदान पर खत्म होगा। लेकिन उसने लगातार छह मैच जीत दमदार वापसी की। राजस्थान ने शुरुआत बेहद शानदार की लेकिन इसके बाद उसकी गाड़ी जीत की पटरी से उतर गई। शुरुआती नौ में से आठ मैच जीतने वाली राजस्थान को पिछले पांच में से चार मैचों में मात मिली है। ऐसे में आरसीबी के खिलाफ उसे फिर अपना दमखम दिखाना होगा।

टीम कर रही एकजुट होकर प्रदर्शन

टीम ने पिछले छह मैचों में जिस तरह से एकजुट प्रदर्शन किया, वो उसकी सबसे बड़ी ताकत है। गेंदबाज और बल्लेबाज फॉर्म में लौट चुके हैं। पिछले कुछ मैचों में राजस्थान के प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही है और उसकी यही सबसे बड़ी कमजोरी है। टीम को जीत के रास्ते पर लौटना होगा। आरसीबी को यदि 2016 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनानी है तो बड़े मैचों जीत दर्ज करनी होगी। टीम पिछले चार में से तीन सत्र के प्लेऑफ में पहुंची, पर कभी फाइनल नहीं खेली।

दोनों टीमें एलिमिनेटर में दूसरी बार भिड़ेंगी

प्लेऑफ में आरआर ने छठी और आरसीबी ने 9वीं बार जगह बनाई। टॉप-4 स्टेज में आरआर ने 44 फीसदी और आरसीबी ने महज 36 फीसदी मैच जीते हैं। दोनों टीमें एलिमिनेटर में दूसरी बार भिड़ेंगी, इससे पहले 2015 में आरसीबी को जीत मिली थी। आज जीतने वाली टीम फाइनल में एंट्री के लिए 24 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ क्वालिफायर-2 में उतरेगी। एलिमिनेटर मुकाबला हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। रॉयल चैंजर्स बेंगलुरु ने 2024 में 7 मैच जीते और 7 ही गंवाए भी। टीम 14 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रही, इतने ही पॉइंट्स सीएसके, डीसी और एलएसजी के भी थे, लेकिन बेहतर रन रेट के कारण बेंगलुरु ने बाजी मारी।

हैदराबाद पर जीत की हैट्रिक, कोलकाता चौथी बार फाइनल में पहुंचा

आइपीएल 2024 के लीग मैचों के बाद तालिका में शीर्ष पर रही कोलकाता नाइटराइडर्स ने जीत का सिलसिला कायम रखते हुए मंगलवार को यहां खेले गए पहले क्वालीफायर में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से मात दी। यह कोलकाता की हैदराबाद के खिलाफ इस सीजन दूसरी और लगातार तीसरी जीत है। कोलकाता ने चौथी बार और 2021 के बाद पहली बार आइपीएल के फाइनल में जगह बनाई। 2012 और 2014 में खिताब जीत चुकी कोलकाता की नजरें अब तीसरी बार चैंपियन बनने पर होगी। हैदराबाद ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लेकिन बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण हैदराबाद की टीम 19.3 ओवर में 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता ने 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कोलकाता की ओर से तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह के बीच नाबाद 62 रन की साझेदारी

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले अमेरिका ने बांग्लादेश को हराया

ओल्ड ट्रेफर्ड (लंदन), एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने से 10 दिन पहले ही अमेरिका ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर उलटफेर करने के संकेत दे दिए हैं। अमेरिका पहली बार वर्ल्ड कप में भाग ले रहा है। वर्ल्ड कप 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है। बांग्लादेश वर्ल्ड कप से पहले यूएसए के साथ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेल रही है। मंगलवार को ह्यूस्टन में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में यूएसए ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। यूएसए यूएसए जीत के हीरो रहे मुंबई में जन्मे हरमीत सिंह। उन्होंने 13 बॉल पर नाबाद 33 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बनाया। यूएसए ने 3 ओवर शेष रहते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 156 रन बना कर मुकाबला 5 विकेट से पक्ष में कर लिया।

कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह ने टीम को दिलाई जीत

न्यूजीलैंड से खेल चुके कोरी एंडरसन और मुंबई में जन्मे हरमीत सिंह ने 28 गेंदों पर नाबाद 62 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। एक समय यूएसए ने 94 रन पर 5 विकेट खो दिए थे। ऐसे में लग रहा था कि यूएसए इस मैच को गंवा बैठेगा। लेकिन, एंडरसन और हरमीत ने पारी को संभाला। एंडरसन ने 25 गेंदों पर नाबाद 34 रन और हरमीत सिंह ने 13 गेंदों पर नाबाद 33 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई।

मेट्रो बाजार

विदेशी इक्विटी फर्मों ने अधिग्रहण की पेशकश

हल्दीराम के प्रमोटर नहीं चाहते कंपनी बिके

नईदिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल प्राइवेट इक्विटी फर्म्स नमकीन-भुजिया बनाने वाली कंपनी हल्दीराम को खरीदने के लिए आतुर दिख रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी पीई फर्म ब्लैकस्टोन की अगुवाई वाले कंसोर्टियम के साथ बेन कैपिटल व सिंगापुर की टेमासेक की अगुआई वाले कंसोर्टियम ने हल्दीराम स्नैक्स को खरीदने के लिए अलग-अलग गैर-बाध्यकारी पेशकश की हैं। लेकिन कंपनी के प्रमोटर्स हल्दीराम को बेचना नहीं चाहते। हल्दीराम के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि प्रवर्तकों ने निजी इक्विटी कंपनियों से पेशकश करने को नहीं कहा है और वे कंपनी नहीं बेच रहे हैं। एक सूत्र ने बताया कि प्रवर्तकों की ओर से कंपनी को बेचने की खबरें सच नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, प्रवर्तक परिवार कंपनी के 70,500 करोड़ रुपए (8.5 अरब डॉलर) के मूल्यांकन से खुश नहीं है। हालांकि इस बारे में अब तक न तो हल्दीराम, ब्लैकस्टोन, बेन या टेमासेक से कोई आधिकारिक बयान आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल सितंबर में टाटा कंज्यूमर भी हल्दीराम में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात कर रही थी, लेकिन प्रवर्तकों ने कंपनी की कीमत 83,300 करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) लगा दी, जिससे बात नहीं बन पाई। फ्रॉस्ट एंड सुलिवन की रिपोर्ट के मुताबिक, 19,300 करोड़ रुपए के भारतीय नमकीन बाजार में हल्दीराम की 36 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत की प्रसिद्ध नमकीन एवं स्नैक्स बनाने वाली कंपनी हल्दीराम नहीं बिकेगी।

आवासीय क्षेत्र का आउटलुक मजबूत

नईदिल्ली, एजेंसी

रियल एस्टेट के आवासीय क्षेत्र का आउटलुक काफी मजबूत माना जा रहा है। जनवरी-मार्च तिमाही में किए गए सर्वे में 73 फीसदी लोगों ने कहा कि अगले 6 महीने में मकानों की बिक्री बढ़ने की संभावना है। 82 फीसदी लोगों ने माना कि मकानों के दाम बढ़ेंगे और 80 फीसदी ने कहा कि नए प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग बढ़ेगी। 65फीसदी रियल एस्टेट डेवलपर ने कहा कि अगले 6 माह में ऑफिस के रेंट में इजाफा होगा, जबकि दिसंबर तिमाही में केवल 53 फीसदी डेवलपर रेंट में इजाफे की उम्मीद कर रहे थे। रियल एस्टेट सेक्टर बूम पर है। 2024 की पहली तिमाही के लिए जारी नाइटफ्रैंक और नारेडको का रियल्टी सेंटिमेंट इंडेक्स 72 पर पहुंच गया है जो दिसंबर तिमाही में 69 पर था। नए लॉन्च, बिक्री में इजाफा और कीमतों में उछाल के चलते रियल एस्टेट का सेंटीमेंट एक दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

लंबाई बनी मजाक तो एथलीट बन मिसाल कायम की

रवि रोंगाली ने सिर्फ शॉट पुट ही नहीं, बल्कि बैडमिंटन और भालाफेंक में भी जीते हैं पदक

नईदिल्ली, एजेंसी

जिस इंसान की लंबाई सिर्फ 4.1 फीट हो, वो दुनिया के लिए मजाक का पात्र बन जाता है और लोग उसके बौनेपन को लेकर ताना कसते हैं। कुछ ऐसा ही रवि रोंगाली के साथ हुआ, लेकिन उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को कमजोरी नहीं बनने दिया और पैरा एथलीट बनकर दुनिया को अपना दमखम दिखाया। हालांकि उनकी राह आसान नहीं रही पर कड़ी मेहनत और दृढ़संकल्प की बदौलत उन्होंने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में प्रतिनिधित्व करने अपना सपना भी पूरा किया। 29 वर्षीय रवि ने रविवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉटपुट एफ-40 स्पर्धा में पेरिस पैरालंपिक खेलों का कोटा हासिल किया। रवि का जन्म विशाखापत्तनम के चिरिकिवनिपालेम गांव में हुआ। उनके माता-पिता किसान हैं। रवि के पिता डेमुडु बाबू ने कहा, बचपन से ही उसकी खेलों में रुचि थी। उसने स्थानीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन उसे वित्तीय मदद नहीं मिल रही थी। इस कारण हमने आधा एकड़ जमीन बेच दी ताकि वह खेल जारी रख सके। रवि कई विधाओं में पारंगत हैं। उन्होंने भले ही पैरालंपिक खेलों में शॉट पुट स्पर्धा का कोटा हासिल किया है।

3 मिनट 14.12 सेकेंड के साथ बादशाहत की कायम

एथलेटिक्स: भारत की रिले टीम ने जीता स्वर्ण पदक

बैकॉक. एजेंसी

मुहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री, अमोज जैकब और सुभा वेंकटेशन की भारतीय 4 गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले टीम ने यहां एशियाई रिले चैंपियनशिप 2024 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। टीम ने पिछले राष्ट्रीय रेकॉर्ड में 0.22 सेकेंड का सुधार करते हुए 3 मिनट 14.12 सेकेंड के साथ अपनी बादशाहत कायम की।

श्रीलंका ने रजत व वियतनाम ने कांस्य पदक हासिल किया।

चिदंबरम ने हासिल की 2700 रेटिंग

शतरंज: अरविंद शीर्ष और अर्जुन दूसरे स्थान पर कायम

शारजाह . एजेंसी

भारतीय ग्रैंड मास्टर अरविंद चिदंबरम शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में अमरीका सैम शैंकलैंड के खिलाफ आसान ड्रॉ खेला और अपनी एकल बढ़त को बरकरार रखने में सफल रहे। छह बाजियों में पांच अंकों के साथ चिदंबरम 2700 रेटिंग अंक हासिल करने वाले शतरंज खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से दो अंक दूर है। वहीं, शीर्ष वरीय अर्जुन एरिगैसी रूस के दानिल युफा पर शानदार जीत दर्ज करके संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

फीस को लेकर हुआ विवाद

फिल्म 'हाउसफुल 5' का हिस्सा नहीं होंगे अनिल कपूर!

> फिल्म को लेकर अभी तक अनिल की तरफ से कोई भी अधिकारिक बयान नहीं आया है। दिसंबर में फिल्म के अनाउंसमेंट पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा था....

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' की स्टारकास्ट को लेकर बदलाव हुआ है। फिल्म में अक्षय कुमार और रितेश देशमुख तो नजर आएंगे, लेकिन अब इस फिल्म में अनिल कपूर नजर नहीं आएंगे। जानें पीछे की वजह। अनिल बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से एक हैं, जिन्हें हर कोई चाहता है। अनिल की फिल्मों की रिलीज का आज भी दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। अनिल बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से हैं, जिनकी फिल्में उनके फैंस को बेहद पसंद हैं। अनिल फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय कुमार ने अब फिल्म 'हाउसफुल 5' को छोड़ दिया है। जानिए क्या है वजह। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख स्टारर च्हाउसफुलज के 5वें सीक्वल का एलान पिछले साल दिसंबर में हुआ था। इस फिल्म में अक्षय और रितेश तो पहले से ही कंफर्म अभिनेता रहे हैं। दोनों ने अब तक चारों फिल्मों में साथ काम किया है, लेकिन फिल्म के बाकी कलाकारों में बदलाव होते गए हैं। हाल ही में अभिषेक कुमार ने कंफर्म किया था कि वह इस फिल्म में फिर से जुड़ रहे हैं। इससे पहले वह इसके तीसरे सीक्वल में नजर आए थे। वहीं, अनिल कपूर का भी नाम हाउसफुल 5 से जोड़ा गया। कहा जा रहा था कि वह इसमें खास रोल निभाते नजर आएंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं होने वाला है। निर्देशक तरुण मनसुखानी की आगामी फिल्म 'हाउसफुल 5' की रिलीज का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। इस फिल्म में बाकी स्टारकास्ट के अलावा अनिल कपूर भी नजर आने वाले थे, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब इस फिल्म में अनिल कपूर नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उन्होंने इस फिल्म को करने से साफ इंकार कर दिया है। इसकी वजह फिल्म में उनकी फीस बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल को उनके मन मुताबिक फीस नहीं मिल रही है।

दृढ़ संकल्पित मां की भूमिका में आएगी नजर

बलात्कारियों का सफाया करती दिखीं जया प्रदा, 'फातिमा' का ट्रेलर रिलीज

जया प्रदा की वेब सीरीज 'फातिमा' का ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है। सीरीज महिला अपराध पर आधारित है। ट्रेलर में जया प्रदा अपनी बेटी के साथ हुए अन्याय का बदला लेते हुए दिख रही हैं। अभिनेत्री जया प्रदा की वेब सीरीज 'फातिमा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि जया प्रदा एक दृढ़ संकल्पित मां की भूमिका में नजर आ रही हैं। सीरीज में वह फातिमा का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी के साथ हुए बलात्कार का बदला लेती है। सीरीज की कहानी फातिमा और उनकी बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। बेटी के साथ हुए अन्याय का इंसाफ ना मिल पाने की वजह से वह गैरकानूनी रास्ता अपना लेती हैं। 'फातिमा' का निर्देशन संजीव राय ने किया है। सीरीज यूट्यूब पर 23 मई से प्रसारित होगी।

वेब सीरीज फातिमा की कहानी: ट्रेलर में देखा जा सकता है कि कुछ लड़के स्कूल से आती हुई एक लड़की को छेड़ते हैं। वह उसका पीछा करते हैं। एक दिन वह लड़की बदहवास हालत में आती है, जिसके बाद उसकी मां फातिमा (जया प्रदा) पुलिस स्टेशन ले जाती है। समाज में हो रही बदनामी और न्याय ना मिल पाने के कारण फातिमा खुद ही गुनहगारों को सजा देने का मन बना लेती हैं। वह एक-एक करके सभी का सफाया करने लगती हैं। बता दें कि फातिमा का सामना 'भैयाजी' नाम के एक नेता से है।

इंस्पेक्टर की पत्नी को ही जाना पड़ा जेल

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि फातिमा के द्वारा गुनहगारों की हत्या के बाद वह बड़ी ही चतुराई से मामले की छानबीन कर रहे इंस्पेक्टर की पत्नी को फंसा देती हैं। ट्रेलर के अंत में फातिमा सलाखों के पीछे दिख रही हैं।

लंबे समय बाद कर रही जया प्रदा वापसी

काफी लंबे समय के बाद अभिनेत्री जया प्रदा किसी परियोजना में मुख्य किरदार के रूप में वापसी कर रही हैं। बता दें कि यह जया प्रदा के करियर की पहली वेब सीरीज होगी। उनके साथ इसमें हितेन तेजवानी भी अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे।

खबर सुन फैंस को लगा तगड़ा झटका

अभिनेता संजय दत्त ने छोड़ दी एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल'!

'वेलकम' फेंचाइजी की तीसरी 'वेलकम टू द जंगल' का क्रेज दर्शकों के बीच खूब छाया हुआ है। फैंस उत्सुकता के साथ इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में सितारों की बड़ी टोली है। फिल्म को लेकर लगातार आ रही नई जानकारियों का फैंस इंतजार करते हैं। वहीं अब फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, जो दर्शकों को निराश भी कर सकता है। दरअसल, संजय दत्त निर्देशक अहमद खान की कॉमिक फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में शामिल हुए थे। अब उनकी भूमिका पर संकट छाए हुए हैं। दरअसल, संजय दत्त को फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, सुनील शेट्टी और अन्य के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना था। हालांकि, वेलकम 3 पर ताजा खबर यह है कि संजय ने कॉमिक फिल्म से बाहर निकलने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार संजय दत्त ने वेलकम टू द जंगल से बाहर निकलने के लिए तारीख की समस्या का हवाला दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त ने सारी बातें अपने दोस्त अक्षय कुमार को बताई, जो वेलकम टू द जंगल का अहम हिस्सा हैं। बताया जा रहा है कि संजय दत्त को लगा कि वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अनियोजित तरीके से हो रही है और स्क्रिप्ट में बहुत सारे बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे उनकी शूटिंग की डायरी खराब हो रही है और इसलिए उन्होंने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। दावा किया गया था कि संजय ने अहमद खान निर्देशित फिल्म के पहले शेड्यूल में वेलकम टू द जंगल के कुछ मजेदार हिस्से शूट किए थे। वहीं, अब संजय ने इस फिल्म से बाहर होने का मन बना लिया है तो ऐसे में निर्माता फिल्म में उनकी जरिए शूट किए गए हिस्से इसका उपयोग करना चाहते हैं और संजय को अतिथि भूमिका निभाने का श्रेय देने के लिए तैयार हैं। अब निर्माता नए बदलावों के अनुसार स्क्रिप्ट का निर्माण करेंगे।

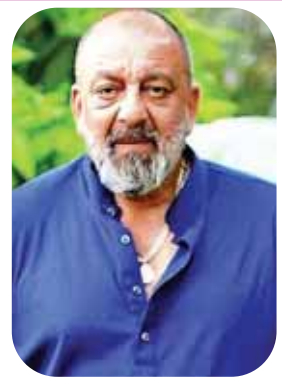

'वेलकम टू द जंगल' जंगल में कलाकारों की बड़ी टोली मौजूद है। फिरोज नादिदावाला द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, दिशा पटानी, लारा दत्ता, मुकेश तिवारी, राजपाल यादव, शारिब हाशमी, जॉनी लीवर और कई अन्य कलाकार शामिल हैं। 'वेलकम 3' इस साल दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

घर में घुसी चार महिलाओं ने गले पर अड़ाया चाकू, पायल-सोने का लॉकेट समेत ढाई लाख की नगदी ले उड़ीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की घटना, तेरह दिन बाद एफआईआर

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में घर में घुसी चार महिलाओं ने चाकू की नोक पर परिवार को धमकाते हुए अलमारी से चांदी की पायल और सोने का लॉकेट समेत ढाई लाख रुपए की नगदी चुरा ली। घटना गत 8 मई की शाम सात बजे से पौने आठ बजे के बीच की है। घटना की शिकायत फरियादी द्वारा तत्काल पुलिस को की गई थी, लेकिन पुलिस ने जांच का हवाला देकर तेरह दिन बाद एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार एजाज अजीज पिता स्वर्गीय अजीज अहमद (48) मकान नंबर, ए- 343, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी ऐशबाग में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि परिवार में उनकी पत्नी मरियम के अलावा 13 साल का बेटा और 12 साल की बेटी है। एजाज बेरोजगार हैं, लेकिन उनका घर खर्च किराए पर चलता है उन्होंने कमरे किराए पर दे रखे हैं। एजाज ने पुलिस को बताया कि गत 8 मई की शाम करीब सात बजे से पौने आठ बजे के बीच की घटना है। वह अपने परिवार के साथ घर पर थे। तभी चार महिलाएं घर में घुस आई। महिलाओं ने बच्चों के गले पर चाकू अड़ाया और धमकी देने लगी। महिलाएं कहने लगी कि घर में जो भी जेवर और नकदी है दे दो वरना बच्चों को गला काट देगे।

अलमारी खुलवाकर ले गई नगदी और जेवर

एजाज ने पुलिस को बताया कि बच्चों की गर्दन पर चाकू रखने वाली महिलाओं ने अलमारी खुलवाई और उसमें रखी चांदी की पायल समेत सोने का लॉकेट और ढाई लाख रुपए की नगदी जबरन छीनकर लेकर चली गई। महिलाओं ने धमकाया था कि शिकायत की तो जान से खत्म कर देगे।

तरबूज की ठंडक...

भोपाल। बढ़ते तापमान के साथ लोग ठंडे फलों का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। बाजार में तरबूज की आवाक भी बढ़ गई है।

बाहर काम करने पर विवाद, पति ने पत्नी को छुरी मारी

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दर्ज किया केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित इब्राहिमगंज में पति पत्नी के बीच हुए विवाद में पति ने पत्नी पर छुरी से हमला कर दिया। छुरी पत्नी के हाथ में लगने से उसे गंभीर चोट आई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ममता गुर्जर पिता दशरथ गुर्जर (35) ग्राम नाईहेजी थाना अहमदपुर जिला सीहोर की रहने वाली है। हाल ही में वह पति और अपनी बेटी के साथ इब्राहिमगंज में पंडित जी के किराए के मकान में रहती है और मजदूरी करती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे शराब के नशे में पति उससे विवाद करने लगा। वह कहने लगा कि तू बाहर कोई काम नहीं करेगी। पीड़िता ने कहा कि यदि तुम घर खर्च के लिए पर्याप्त पैसे दोगे तो में काम नहीं करुंगी। इस बात से नाराज पति दशरथ गुर्जर ममता के साथ गालीगलौज शुरू कर दी। ममता ने पति से गालियां देने से मना किया तो वह भड़क गया और सब्जी काटने वाली छुरी से हाथ की कलाई के पास हमला कर दिया। आरोपी उसे कह रहा था कि आज तुझे जान से खत्म कर दूंगा। इसी दौरान ममता की बेटी ने बीच बचाव किया और पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत की।

पति गया था सब्जी लेने पत्नी ने लगाई फांसी

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित देवकी नगर में बीती रात एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। आज पीएम के बाद परिजन के बयान दर्ज किए जाएगे। पुलिस के अनुसार कौशल्या खटीक पति विनोद खटीक (27) देवकी नगर, करोंद में किराए से अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती थी। मूलतः अशोक नगर का रहने वाला परिवार यहां रहकर मजदूरी करता था। विनोद खटीक ने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात वह सब्जी खरीदने गया था। वहां से रात करीब साढ़े 10 बजे घर लौटा तो उसने पत्नी को फांसी के फंदे पर लटका देखकर आसपास के लोगों को सूचना दी थी। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को मर्चूरी भेज दिया गया। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि अशोक नगर से मृतिका और विनोद के परिजन भोपाल के लिए निकल गए हैं। उनके बयान दर्ज होने के बाद ही आत्महत्या की वजह साफ हो सकेगी।

खेत में काम करते समय कुएं में गिरी महिला, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित कस्बा चौकन टोला में सोमवार सुबह कुएं में गिरने से नव विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसडीओपी बैरसिया को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार फूलबाई पति लाखन बंजारा (22) कस्बा चौकन टोला, नजीराबाद में रहती थी और गृहणी थीं। परिजन ने बताया कि गांव में उनका खेत हैं और सोमवार सुबह परिवार के लोग खेत पर काम करने गए थे। इस दौरान फूलबाई कुएं पर पानी लेने गई थी, तभी कुएं में गिर गई। उसे किसी तरह कुएं से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैरसिया लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। बताया जाता है कि करीब एक साल चार महीने पहले ही फूलबाई की शादी लाखन से हुई थी।

रेलवे के रिटायर्ड अधिकारी के घर घुसे नकाबपोश बदमाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऋषि विलास कॉलोनी में बदमाशों ने की वारदात, चार बदमाश सीसीटीवी कैमरे में

गांधी नगर थाना क्षेत्र स्थित ऋषि विलास कॉलोनी में रिटायर्ड अधिकारी के घर में नकाबपोश बदमाश घुस गए। घटना गत 18 मई शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है। रिटायर्ड अधिकारी ने घटना की शिकायत थाने पहुंचकर की थी। थाने में केवल शिकायती आवेदन लेते हुए उन्हें चलता कर दिया गया। इस सनसनीखेज वारदात की शिकायत नहीं होने और डर के कारण रिटायर्ड अधिकारी दूसरे मकान में परिवार के साथ शिफ्ट हो गए। जानकारी के अनुसार ऋषि विलास कॉलोनी निवासी सोहेल हाशमी रेलवे के रिटायर अधिकारी हैं। उनकी पत्नी शासकीय स्कूल में नौकरी करती है। उनका अब्बास नगर में ऋषि विलास कॉलोनी में मकान है। गत 18 मई की देर रात करीब ढाई बजे वह घर पर थे। इस दौरान चार बदमाश उनके घर घुस गए। उन्हें आहट हुई और उन्होंने शोर मचाया तो आरोपी उल्टे पैर लौट गए। पूरी वारदात उनके घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। सीसीटीवी कैमरे में चार बदमाश घर के अंदर घुसते हुए नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में हथियार भी नजर आए हैं। घटना की शिकायत हाशमी ने गांधी नगर थाने पहुंचकर की थी। इस पर पुलिस ने केवल शिकायती आवेदन दिया और रात्रि गश्त बढ़ाने का कहकर उन्हें थाने से चलता कर दिया। घटना के बाद से हाशमी अपने घर से कीमती सामान लेकर दूसरे घर में शिफ्ट हो गए।

कुएं में मिली 17 साल की नाबालिग की लाश, पुलिस कर रही जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित गांव रतनपुर में कल सुबह कुएं से एक नाबालिग की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के बाद परिजन को सौंप दी है। पुलिस मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस हादसा और आत्महत्या समेत विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार ऊषा भील पति गजराज भील (17) गांव रतनपुर में रहती थी। मंगलवार तड़के तीन बजे वह घर से रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इस दौरान उसकी लाश गांव मं रहने वाले घीसीलाल मेवाड़ा के खेत में कुएं में मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने कुएं से लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। पुलिस का कहना है कि उसने आत्महत्या की या फिर उसकी हत्या की है। इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

पैरोल पर गया सजायाफ्ता बंदी फरार, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सेंट्रल जेल में छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट में सजा काट रहा सजायाफ्ता बंदी पैरोल से फरार हो गया। उसे पंद्रह दिन की पैरोल मिली थी और मंगलवार को पैरोल की अवधि खत्म होने पर उसे जेल में आमद देनी थी, लेकिन आरोपी ने जेल में आमद नहीं थी। पुलिस ने जेल प्रहरी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जेल प्रहरी अनुज डाकरे सेंट्रल जेल में पदस्थ हैं। उन्होंने गांधी नगर पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 22 साल के अमित रघुवंशी को नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने उसे सजा सुनाई और वह जेल में सजा काट रहा था। जेल से उसे पंद्रह दिन की पैरोल दी गई थी। पैरोल की अवधि मंगलवार को खत्म होनी थी। बावजूद इसके अमित रघुवंशी ने जेल में आमद नहीं दी।

मेट्रो एंकर पुलिस ने सकुशल बच्ची को बरामद किया

अस्पताल में पत्नी को छोड़, पांच दिन की मासूम को लेकर फरार हुआ पिता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल में प्रसूता पत्नी को छोड़कर पांच दिन की मासूम को लेकर पिता फरार हो गया। बच्ची के रहस्यमय तरीके से लापता होने पर पुलिस को शिकायत की गई थी। पुलिस ने सकुशल बच्ची को बरामद कर लिया है।

पुलिस ने बच्ची को उसकी मां के पास सौंपकर मायके पहुंचा दिया है। पुलिस के अनुसार प्रीति मेहरा पति प्रेम सिंह मेहरा (32) राजीव नगर भोपाल ने शिकायत की थी। उसने शिकायत में बताया कि वह नयापुरा साडेरपुर गौहरगंज की है। पांच दिन पहले हमीदिया अस्पताल में उसने एक बच्ची को जन्म दिया था। वह अस्पताल में भर्ती थी। डिलेवरी के बाद पति प्रेम सिंह मेहरा उसे छोड़कर चला गया था। बाद में वह अस्पताल पहुंचा और बच्ची को उठाकर अपने साथ ले गया। पुलिस को अनहोनी की आशंका थी और पांच दिन की दुधमुही बच्ची के स्वास्थ्य को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम का गठन किया और प्रेम सिंह मेहरा से बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022